54 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या- 25059/73 (79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24 | Web: muzaffarnagarbulletin.co.in

न्यूनतम 23.2c अधिकतम 32.7 °c

अमृतवाणी

समय और शब्दों का प्रयोग लापरवाही से न करें, ये वापस नहीं आते।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

सूर्योदय - 5:19, सूर्यास्त - 7:14 | वर्ष : 54/ अंक : 151 | मंगलवार, 02 जून 2026 | ज्येष्ठ, कृष्ण पक्ष, द्वितीया | सम्वत 2083 | मूल्य : 3 रुपये | कुल पृष्ठ : 4

शिक्षा को कारोबार बनाना सभी बुराइयों का आधार : राहुल गांधी

शोर आता था जिन दरीचों से.... एक अच्छा बयान आया है...

रॉकी हत्याकांड का आरोपी मोंटी बोला- पहले गोली मारी, सिर नहर में फेंका और धड़ को खेत में गाड़ दिया

1 सिखेड़ा थाना क्षेत्र से गायब था, भोपा थानाक्षेत्र के खेत से शव बरामद

2 गड्ढे में दबाए शव को जेसीबी से निकाला, पुलिस भी रह गयी दंग

3 खुर्द-बुर्द करने आया हत्यारोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार, पत्नी फरार

4 बड़ौत में की गई हत्या, भोपा लाकर नमक डालकर दबाया गया शव

भोपा, 1 जून (बु.)। जिस युवक के लापता होने के बाद उसकी बरामदगी की मांग को लेकर पंचायतों के साथ आंदोलन की चेतावनी दी जा रही थीं, उसे बचाया नहीं जा सका। थाना सिखेड़ा क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लापता चल रहे युवक विकसित कुमार उर्फ रॉकी का शव कादीपुर गांव के जंगल से बदमाश ने बरामद हुआ है। मौके पर उसका केवल नग्न धड़ मिला। उसका सिर गायब है। शव मिलने की सूचना पर पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। शव को जेसीबी की मदद से गड्ढे से निकलवाया गया। गिरफ्तार आरोपी का कहना है कि रॉकी के सिर को गंगनहर में फेंका गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। मामले की सूचना पर परिजनों के साथ ग्रामीणों की भारी भीड़ भी पहुंच गई और जमकर हंगामा किया।

थाना सिखेड़ा क्षेत्र के गांव बेहड़ा आस्सा निवासी विकसित कुमार उर्फ रॉकी (36 वर्ष) बीती 18 मई को घर से निकला था, जिसके बाद उसका कोई सुराग नहीं लग पाया। बताया

मृतक-फाइल फोटो

गया है कि उसकी पत्नी रेणु उसे स्कॉर्पियो में लेकर गई थी। उसने बताया था कि वे ऋषिकेश जा रहे हैं। परिजनों द्वारा लगातार तलाश किए जाने के बावजूद जब उसका पता नहीं चला तो उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। बाद में परिजनों ने अपहरण एवं हत्या की आशंका जताते हुए उसकी दूसरी पत्नी रेणु, पुत्र बादल और पुत्रवधू सहित कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। सिखेड़ा पुलिस के अनुसार पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि रॉकी की लाश को भोपा क्षेत्र के गांव कादीपुर के जंगल में दबाया गया था और कुछ बदमाश खुर्द-बुर्द करने के इरादे से आ रहे हैं। जिसकी सूचना पर सिखेड़ा पुलिस व भोपा पुलिस की संयुक्त टीम ने मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश दी तो वहां मौजूद बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर झोंक दिया, जिसमें पुलिस टीम बाल-बाल बच गई। पुलिस ने भी अपनी आत्म रक्षा में गोली चलाई तो एक बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी, जिससे बदमाश गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बदमाश से पूछताछ की तो उसने अपना नाम मोंटी त्यागी निवासी मलपुरा बताया।

जेसीबी से खोदकर निकाला गया शव

मुजफ्फरनगर। बदमाश की निशानदेही पर रॉकी के सिर कटे शव को जेसीबी से गड्ढा खोदकर निकाला गया। वहां उसका नग्न धड़ ही बरामद हो सका। उसका सिर गायब है। पुलिस ने शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी शुरू की तो परिजनों ने शव का सिर बरामद करने की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। जानकार सूत्रों के अनुसार 18 मई तो पत्नी के साथ जाने के बाद रॉकी की अंतिम बार अपनी मां से बात हुई थी। इसके बाद उसका मोबाइल बंद आता रहा तो परिवार के लोगों को शक हुआ। इस बीच रेणु परिजनों को गुमराह करती रही।

मुठभेड़ में घायल आरोपी को उपचार के बाद ले जाती पुलिस

बोले सीओ मंडी

"सीओ मण्डी राजू साव ने जानकारी देते हुए बताया कि सिखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव बेहडा आस्सा से एक व्यक्ति के गायब होने की सूचना मिली थी जिस पर पुलिस द्वारा परिजनों की तहरीर पर कुछ लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया था इसके बाद से ही पुलिस की पांच टीम मामले के खुलासे में लगी हुई थी। सोमवार को भोपा थाना व सिखेड़ा थाना की संयुक्त कार्रवाई में बदमाश को मुठभेड़ के दौरान दोनों पैरों में गोली लगी है शव को गड्ढे से निकल गया है। सूचना पर परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और जमकर हंगामा किया।"

पत्नी रेणु के घर बड़ौत में हुई थी हत्या

मुजफ्फरनगर। पुलिस द्वारा उसकी हत्या के मामले में गिरफ्तार मोंटी त्यागी ने बताया कि रॉकी की हत्या बड़ौत में रेणु के घर पर की गई थी। उसका कहना है कि बादल ने पहले उसे गोली मारी और इसके बाद शव की गर्दन अलग की गई। कमरे से खून आदि की सफाई के बाद उसे फिनाइल से धोया गया। इसका कारण था कि वे हत्या के तमाम सुबूत मिटाना चाहते थे। बादल और मोंटी शव को ठिकाने लगाने के लिए भोपा के कादीपुर लाए। वहां एक व्यक्ति की मदद से उसके धड़ को गहरा गड्ढा खोद कर उसके ऊपर नमक डालकर दबा दिया गया ताकि शव जल्द गल जाए और इसको जंगली जानवर ना खोद सकें। उसके कटे सिर को गंगनहर में फेंके जाने की बात भी आरोपी ने स्वीकार की है। गड्ढे से शव को निकालने के लिए पुलिस को जेसीबी की मदद लेनी पड़ी। मामले में नामजद रॉकी की पत्नी रेणु, उसका बेटा बादल, बादल की पत्नी निशा तथा अन्य आरोपी अभी फरार हैं।

'कैश' पीछे छूटा, डिजिटल ने तोड़े सारे रिकॉर्ड : एक महीने में UPI से 23 अरब लेनदेन

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसी)। 'क्यूआर कोड स्कैन करो और पेमेंट हो गया'- यह वाक्य अब हर भारतीय की रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे अहम हिस्सा बन चुका है। चाय की टपरी से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल्स और हवाई सफर तक, हर जगह 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' यानी यूपीआई का दबदबा साफ नजर आता है। भारत के इस स्वदेशी डिजिटल पेमेंट सिस्टम ने अब एक नया और ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, यूपीआई ने अपने पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त करते हुए मई 2026 में नया इतिहास रच दिया है।

छात्रा से दुष्कर्म के प्रयास और आत्महत्या के लिए उकसाने में दोषी को आजीवन कारावास

मुजफ्फरनगर, 1 जून (बु.)। छात्रा से दुष्कर्म के प्रयास और उसे आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पोक्सो कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास व 70 हजार रुपए के अर्थदंड से दण्डित किया है तथा एक आरोपी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है।

एडीजीसी विनय अरोरा व विक्रांत राठी ने जानकारी दी कि शामली जिले के एक मोहल्ला निवासी महिला ने थाने पर 17 अगस्त 2017 को आदर्श मंडी थाने पर तहरीर दी थी, जिसमें उसने बताया कि उसकी बेटी इंटर की छात्रा है। आरोपी आकाश कौशिक जोकि सुनारों वाली गली मजरा थाना आदर्श मंडी शामली का निवासी है, उसकी बेटी को स्कूल आने-जाने के दौरान रास्ते में रोककर परेशान करता था। आरोपी आकाश ने अपने साथी शुभम के साथ मिलकर डरा-धमकाकर अश्लील फोटो खींच लिए और आरोपी उसे फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा था। आरोपी उसकी बेटी को 18 जून को अपने साथ होटल में ले गया, जहां आरोपी ने उससे दुष्कर्म का प्रयास किया और उसकी अश्लील वीडियो बना ली। आरोपी की प्रताड़ना से दुखी होकर उसकी बेटी ने 17 अगस्त को तेल डालकर आग आत्मदाह का प्रयास किया। आग लगने से उसकी बेटी गंभीर रूप से झुलस गयी, मेरठ में उपचार के लिए भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की। एडीजीसी विनय अरोरा ने बताया कि मरने से पहले पीड़िता के बयान मजिस्ट्रेट द्वारा लिए गए थे। उक्त प्रकरण की सुनवाई पोक्सो कोर्ट नम्बर-1 की न्यायाधीश मंजुला भालोटिया की कोर्ट में हुई। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद आरोपी आकाश को आजीवन कारावास व 70 हजार रुपए के अर्थदंड से दण्डित किया है। वहीं एक अन्य आरोपी शुभम को साक्ष्य के अभाव में बरी कर किया गया है।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 53.50 रुपए महंगा:5 किलो के छोटू के दाम 11 रुपए बढ़े

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसी)। एलपीजी कॉमर्शियल सिलेंडर आज यानी 1 जून से 53.50 रुपए तक महंगा हो गया है। दिल्ली में ये 3113.50 रुपए में मिल रहा है। 5 किलो वाले छोटू सिलेंडर की कीमतों में 11 रुपए का इजाफा किया गया है। इस बढ़ोतरी के बाद अब इस सिलेंडर की कीमत 821.50 रुपए हो गई है। इसके अलावा पेट्रोल, डीजल और हवाई जहाज के ईंधन पर नई एक्सपोर्ट ड्यूटी आज से लागू हो गई है। तेल कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर 53.50 रुपए तक महंगा कर दिया है। दिल्ली में इसकी कीमत 3113.50 हो गई है। पहले यह 3071.50 में मिल रहा था।

पंचशील कॉलोनी में तीन महिलाओं को गोली मारने के आरोपी दामाद के माता-पिता को सशर्त जमानत मिली

मुजफ्फरनगर, 1 जून (बु.)। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अन्तर्गत पंचशील कॉलोनी में तीन महिलाओं को गोली मारने के मामले में आरोपी दामाद के माता-पिता को सेशन कोर्ट ने सशर्त अंतरिम जमानत दी है। कोर्ट ने अंतरिम जमानत देते हुए कहा कि दोनों विवेचना में पुलिस को सहयोग करेंगे और कोर्ट को बगैर अवगत कराए देश से बाहर नहीं जाएंगे। आपको बता दें कि वर्ष-2012 में नगर के मौहल्ला पंचशील कॉलोनी निवासी राधिका मित्तल की शादी अनंत विजय मित्तल निवासी देहरादून के साथ हुई थी। दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद होने के चलते मामला कोर्ट में विचाराधीन है। पिछले काफी समय से राधिका मित्तल अपने मायके पंचशील कॉलोनी में ही रह रही है। विगत् 25 मई 2026 को अनंत विजय मित्तल अपने बेटे यशराज मित्तल के साथ ससुराल में उसका बर्थडे मनाने के लिए पहुंचा था, जहां विवाद के चलते अनंत विजय मित्तल ने अपने लाईसेंसी रिवॉल्वर से सास क्षमा मित्तल, चचिया सास सविता मित्तल व पत्नी की भाभी अपूर्वा मित्तल को गोली मार दी थी। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में आरोपी अनंत मित्तल, उसके पिता नवनीत मित्तल व माता छाया मित्तल के खिलाफ थाना सिविल लाइन में रिपोर्ट दर्ज कराई गयी थी। सोमवार को नवनीत मित्तल व छाया मित्तल ने सेशन कोर्ट के न्यायाधीश बीके सिंह की कोर्ट में अग्रिम जमानत के साथ अंतरिम जमानत के लिए प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया था। प्रार्थना-पत्र में छाया मित्तल को कैंसर की बीमारी से पीड़ित होना बताया था। बचाव पक्ष ने तर्क रखा कि घटना के समय दोनों मौके पर मौजूद नहीं थे। दोनों पर अनंत विजय मित्तल को उकसाने का आरोप है। सेशन न्यायाधीश ने नवनीत मित्तल व छाया मित्तल को अग्रिम जमानत प्रार्थना-पत्र की सुनवाई की तिथि तक अंतरिम जमानत पर इस शर्त के साथ रिहा किया कि वे विवेचना में पूर्ण सहयोग करेंगे, बिना न्यायालय की आज्ञा के भारत नहीं छोड़ेंगे। अग्रिम जमानत के लिए 16 जून को कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए है।

बहन का हत्यारोपी पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 1 जून (बु.)। गांव आदमपुर में बहन की हत्या करने वाले भाई को पुलिस ने देर रात मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी से एक तमंचा भी बरामद किया है। रविवार को किसी लड़के से बात करने पर आरोपी भाई ने अपनी बहन की गला रेतकर हत्या कर दी थी और मौके से फरार हो गया था। आरोपी का चालान कर दिया है। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव आदमपुर में रविवार को अदीबा की किसी युवक से पिछले काफी समय से बात करने से क्षुब्ध उसके सगे भाई आमिर पुत्र शकील ने छुरी से गला रेतकर हत्या कर दी थी। भाई ने कई बार उसे समझाने की कोशिश की और उसे ऐसा करने से मना किया था मगर उसने युवक से बात करना बंद नहीं किया, जिससे क्षुब्ध होकर आरोपी ने अपनी बहन की छुरी से गला रेतकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया। पुलिस ने कमरे से हत्या में प्रयुक्त छुरी को बरामद किया था। देर रात शाहपुर पुलिस को सूचना मिली कि गांव बसीकलां व पलड़ी के रास्ते में छिपा हुआ है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपी की घेराबंदी कर पकड़ने का प्रयास किया तो आरोपी ने अपने को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी आमिर पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने उसके पास से 1 तमंचा बरामद किया है। घायल आरोपी का उपचार कराने के बाद पुलिस ने चालान कर दिया।

जिला चिकित्सालय के भ्रष्टाचार ने दिव्यांग को भी नहीं बख्शा

- डीएम के कहने के बावजूद मां से ऑपरेशन के लिए आठ हजार रुपये ऐंठे
- मां ने लगाई कार्रवाई की गुहार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी बोले जांच होगी

मुजफ्फरनगर, 01 जून (बु.)। जिला अस्पताल पर एक और दाग लगा है। एक महिला ने उसकी दिव्यांग बेटी के इलाज में लापरवाही और अवैध रूप से पैसे लेने का आरोप जिला अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ पर लगाया है। महिला का आरोप है कि डीएम के कहने के बावजूद अस्पताल में उससे आठ हजार रुपये ऐंठ लिए गए।

अपनी 14 वर्षीया बेटी को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंची पीड़िता ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। मंसूरपुर क्षेत्र की रहने वाली रेशमा ने कहा कि डेढ़ माह पूर्व उनकी 14 वर्षीया दिव्यांग बेटी की टांग की हड्डी टूट गई थी, जिसके इलाज के लिए वह जिला चिकित्सालय पहुंची थीं। रेशमा के अनुसार, डॉक्टर ने ऑपरेशन करने के लिए पच्चीस हजार रुपऐ की मांग की थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उन्होंने जिलाधिकारी से मदद की गुहार लगाई। उनका आरोप है कि जिलाधिकारी के हस्तक्षेप के बाद बेटी का ऑपरेशन तो कर दिया गया, लेकिन बाद में कथित तौर पर आठ हजार रुपए भी लिए गए। महिला का कहना है कि ऑपरेशन के कुछ दिनों बाद फॉलोअप के लिए बुलाया गया। इस दौरान डॉक्टर ने बच्ची के पैर को जबरन मोड़ने और चलाने का प्रयास किया, जिससे उसकी पहले से ठीक हो रही हड्डी दोबारा टूट गई। महिला का आरोप है कि जबरन पैर मोड़ कर उसकी हड्डी तोड़ी गई। रेशमा ने दावा किया कि घटना के बाद उन्होंने एक निजी अस्पताल में बेटी का एक्स-रे कराया, जिसमें हड्डी फिर से टूटी हुई पाई गई। इसके बाद वह सोमवार को अपनी बेटी के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचीं और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषी चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई करने और अपनी बेटी का समुचित उपचार सुनिश्चित कराने की मांग की है। मामले को लेकर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने कहा कि शिकायत प्राप्त हुई है। पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के सामने आने के बाद जिला अस्पताल की कार्यप्रणाली और मरीजों को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यक्ति की मौत: पुरकाजी के भैंसानी गांव के पास हादसा

पुरकाजी, 01 जून (बु.)। पुरकाजी के भैंसली गांव के पास सोमवार रात एक अज्ञात वाहन की टक्कर से रेहड़ा चालक की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना रात करीब 10:15 बजे हुई। बताया जा रहा है कि एक अज्ञात ट्रक ने रेहड़ा चालक को टक्कर मार

दी, जिससे वह मौके पर ही गिर गया। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। राहगीरों ने तुरंत 112 नंबर और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। घायल रेहड़ा चालक को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरकाजी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुरकाजी पुलिस भी घटना स्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। पुलिस अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश कर रही है। 112 नंबर के चालक राकेश सिंह ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टरों ने व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया था।

ननिहाल आए किशोर ने गंगनहर में लगाई छलांग, हड़कंप

भोपा, 1 जून (बु.)। थाना क्षेत्र के बेलड़ा गंगनहर पुल से सोमवार सुबह ननिहाल में पहुंचे एक किशोर ने गंग नहर में छलांग लगा दी। किशोर द्वारा नहर में कूदने की सूचना मिलते ही परिजनों में हड़-कंप मच गया। घटना की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पहुंची भोपा पुलिस ने मामले की जानकारी की है। भोपा थाना क्षेत्र के गांव बेलड़ा के पुल से सोमवार सुबह एक किशोर ने अचानक गंग नहर में छलांग लगा दी। किशोर के गंगनहर में छलांग लगाने के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों और राहगीरों की भारी भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई। कुछ गोताखोरों ने गंग नहर में उसकी तलाश शुरू की और घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद भोपा पुलिस ने मामले की जानकारी की है। ग्रामीणों ने बताया कि गंगनहर में छलांग लगाने वाला किशोर अलीशान निवासी नन्हेड़ी है, जो सोमवार सुबह बेलड़ा निवासी अपने मामा इंतजार के घर पर आया और बाहर बाइक खड़ी कर गंगनहर पुल पर पहुंच गया, जहां कुछ देर बाद किन्हीं कारणों से उसने गंगनहर में छलांग लगा दी। किशोर के गंग नहर में कूदने की जानकारी मिलने के बाद नन्हेड़ी निवासी उसके परिजन मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से अलीशान को खोजने की गुहार लगाई। किशोर के गंग नहर में छलांग लगाने के कारणों का पता नहीं चल सका है। मामले में पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

वाटर कूलर पर लटकी रह गई मालाएं, अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने नहीं होने दिया उद्घाटन, वापस लौटी चेयरमैन

मुजफ्फरनगर, 1 जून (बु.)। नगर पालिका चेयरमैन द्वारा बार संघ को समर्पित किये गए वाटर कूलर का ही नहीं होने दिया गया शुभारम्भ, गहमा-गहमी के बाद वापस लौटी चेयरमैन। जिला बार में उस समय गहमा-गहमी का माहौल हो गया, जब नगर पालिका की चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप अपने द्वारा ही जिला बार संघ के अनुरोध पर बार हित में लगाए गए वाटर कूलर का शुभारम्भ करने पहुंची। बार संघ के अध्यक्ष प्रमोद त्यागी इस बात को लेकर अड़ गए कि हम अकेले इस वाटर कूलर का उद्घाटन नहीं होने देंगे और उनके सांसद हरेन्द्र मलिक द्वारा द्वारा भी तीन वाटर कूलर बार को सौंपे गए हैं, सभी का एक साथ शुभारम्भ कराया जायेगा। ऐसे में कभी विवादों में न पड़ने वाली चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप प्रमोद त्यागी का सम्मान करते हुए वापस लौट गई। उक्त घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में तरह-तरह की चर्चाएं व्याप्त हैं और लोग इसे भाजपा बनाम सपा की नेतागिरी से जोड़कर चल रहे हैं। आपको बता दें कि जिला बार संघ की मांग पर नगर पालिका परिषद ने 15वें वित्त आयोग की निधि से अधिवक्ताओं और आमजन की सुविधा के लिए वाटर कूलर स्थापित किया है। जिसके उद्घाटन के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष, नगर मजिस्ट्रेट व अन्य अधिकारी मौजूद थे। तभी बार संघ में इस बात को लेकर भाजपा नेता शलभ गुप्ता, जिला बार संघ के अध्यक्ष प्रमोद त्यागी और महासचिव सुरेन्द्र मलिक में नोकझोक हो गई। बार संघ के अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने यह तो साफतौर पर नहीं कहा कि इस वाटर कूलर पर प्रयासरत में शलभ गुप्ता का नाम क्यों लिखा गया है, मगर यह कहकर बात को घुमा दिया कि उनके सांसद हरेन्द्र मलिक ने तीन वाटर कूलर दिये हैं और सभी वाटर कूलरों का शुभारम्भ एक साथ किया जायेगा और उनके आन्तरिक मामलों में बाहरी लोगों का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि बार संघ की गरिमा और सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। ऐसा भी हो सकता है कि वे इस वाटर कूलर को स्वीकार ही न करें। ऐसे में विवाद में पड़ते हुए नगर पालिका अध्यक्षा मीनाक्षी स्वरूप और नगर मजिस्ट्रेट अपने दल बल के साथ वापस लौट गए।

यूपी में बिजली पर10% फ्यूल सरचार्ज का विरोध

लखनऊ, 1 जून (एजेंसी)। यूपी में बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिल सकती है। 10% फ्यूल सरचार्ज (ईंधन अधिभार) को लेकर यूपी विद्युत नियामक आयोग ने यूपीपीसीएल से 7 दिन में जवाब मांगा है। आयोग ने सोमवार को पूछा कि 10% फ्यूज सरचार्ज की गणना किस आधार पर की गई? 2 साल पुराना बकाया इसमें कैसे जोड़ा गया?

दरअसल, यूपीपीसीएल ने जून महीने के लिए 10% फ्यूल सरचार्ज बढ़ा दिया था। भीषण गर्मी और बिजली कटौती के बीच फ्यूल सरचार्ज में की गई बड़ी बढ़ोतरी का पूरे प्रदेश में जबरदस्त विरोध हो रहा है। यूपीपीसीएल ने नियमों को ताक पर रखते हुए फ्यूज सरचार्ज में 2 साल पुराना 1400 करोड़ बकाया वसूलने का प्रावधान जोड़ा था। नियमानुसार, 2 महीने पहले बिजली खरीदी की लागत में आने वाले गैप की राशि के आधार पर ही फ्यूल सरचार्ज की गणना हो सकती है। यूपीपीसीएल की इस मनमानी के खिलाफ सोमवार को उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने जनहित एवं लोक महत्व प्रत्यावेदन दाखिल किया था। इस पर आयोग अध्यक्ष से तुरंत संज्ञान लेने की अपील की थी। विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार के मुताबिक, 10 फीसदी ईंधन अधिभार पूरी तरह नियम के विपरीत है। यूपीपीसीएल से 7 दिनों के अंदर विस्तृत रिपोर्ट दे। वहीं, उपभोक्ता परिषद की ओर से बताया गया कि फ्यूल एवं पावर परचेज कॉस्ट एडजस्टमेंट की गणना में मार्च- 2026 की वास्तविक बिजली खरीद लागत तो है। लेकिन, 1400 करोड़ रुपए के पुराने बकाए, एनटीपीसी के पुराने भुगतान और अन्य देनदारियों को भी इसमें शामिल किया गया है। यह कानून का उल्लंघन है। उपभोक्ता परिषद ने आयोग को बताया कि अगर यूपीपीसीएल ने सही गणना की होती, तो जून-2026 में उपभोक्ताओं पर करीब 2% की दर से बिजली बिलों में कमी लागू होती। परिषद का दावा है कि आयोग की स्वीकृत बिजली खरीद लागत करीब 4.94 रुपए प्रति यूनिट थी। जबकि, मार्च- 2026 के लिए 5.86 रुपए प्रति यूनिट लागत दर्शाकर उपभोक्ताओं पर लगभग 1610 करोड़ का अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाल दिया गया। यूपीसीसीएल ने 30 मई (शनिवार) को 10% फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज लगाने का आदेश जारी किया था। इसका सीधा मतलब है कि उपभोक्ताओं को 10 प्रतिशत ज्यादा बिल चुकाना होगा। अगर किसी का बिजली बिल 100 रुपए आता है, तो उसे 110 रुपए चुकाने होंगे। वहीं, उपभोक्ता परिषद ने इस पर नाराजगी जताई थी। आदेश पर तत्काल रोक लगाने की मांग की थी।

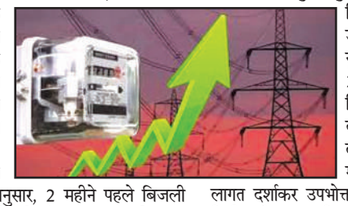

योगी बोले- लगता है लड़के घर में झाड़ू-पोंछा ज्यादा लगाने लगे : इसीलिए मेरिट में लड़कियां ज्यादा

छात्राओं की संख्या बताती है कि अब लड़के घर में झाड़ू पोछे का काम करेंगे - योगी

लखनऊ, 1 जून (एजेंसी)। लोग मानते थे कि बेटियां घर में मां का सहयोग करती हैं। लेकिन अब लग रहा है कि लड़के घर में झाड़ू-पोंछा लगा रहे हैं। या फिर मां-बाप उनसे सब्जी मंगवाने का ज्यादा काम ले रहे हैं। ऐसा भी हो सकता है कि कुछ छात्र मुहल्ले में झाड़ू लगा रहे हों। इसलिए अब बेटियां मेरिट में ज्यादा आ रही हैं। सीएम योगी ने सोमवार को लखनऊ के लोकभवन में 10वीं-12वीं में टॉप करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। प्रदेश के 75 जिलों के टॉप-10 में स्थान पाने वाले 223 विद्यार्थियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। इनमें 85 छात्र और 138 छात्राएं शामिल थीं। लखनऊ के अलावा सभी 75 जिलों में मेधावी सम्मान समारोह आयोजित किए गए। इनमें 1,459 छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। छात्रों के साथ ही उनके माता-पिता और प्रधानाचार्यों को भी सम्मानित किया गया। यूपी बोर्ड के अलावा सीबीएसई, आईसीएसई और संस्कृत शिक्षा बोर्ड के टॉपर्स समारोह में शामिल किए गए। योगी ने कहा- परीक्षा छात्र-छात्राओं को परेशान करने के लिए नहीं, बल्कि उनमें आत्मविश्वास पैदा करने के लिए होनी चाहिए। प्रश्नपत्र ऐसा नहीं होना चाहिए कि छात्रों के पसीने छूट जाएं। वह शिक्षक अच्छा नहीं माना जाता, जो विद्यार्थियों को परेशान करने के लिए कठिन प्रश्न पूछता है। अक्सर मैंने देखा है कि ऐसे शिक्षकों को स्वयं भी प्रश्नों के उत्तर नहीं पता होते। नौ साल पहले स्थिति कुछ ऐसी ही थी। अभिभावक ही बच्चे का पहला गुरु होता है। आजकल देखा जाता है कि 2-3 साल का बच्चा रोता है तो माता-पिता उसे स्मार्टफोन थमा देते हैं। बच्चा रो रहा है तो उसे कुछ देर रोने दीजिए या ऐसी गतिविधियों में लगाइए, जिससे उसका रचनात्मक विकास हो। हमारे यहां ज्ञान की समृद्ध परंपरा रही है। विद्या का दायरा बहुत व्यापक है। यह केवल अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं है। आप अभिभावकों पर स्मार्टफोन दिलाने का दबाव मत बनाइए। हमने आपको टैबलेट दिए हैं, उनका उपयोग कीजिए। अखबार पढ़िए और टीवी पर समाचार भी देखिए। सोशल मीडिया पर बहुत अधिक समय न बिताइए। यदि इस्तेमाल करना ही है तो 10-15 मिनट या अधिकतम आधा घंटा पर्याप्त है। जितना अधिक आप उसकी ओर जाएंगे, उतना ही उसमें उलझते जाएंगे। उसका परिणाम शून्य होता है। सोशल मीडिया पर सही कंटेंट की संख्या बहुत कम है, फिर उसके पीछे भागने की क्या जरूरत है? किसी इंटरव्यू में आपसे यह नहीं पूछा जाएगा कि आपके कितने फॉलोअर्स हैं।

प्रेमिका ने कटर मशीन से काटे प्रेमी के हाथ-पैर

- फतेहपुर में पति संग मिलकर जलाया - यू-ट्यूब पर सर्च किया 302 में कितनी सजा?

फतेहपुर, 1 जून (एजेंसी)। अफेयर में पति-पत्नी ने एक युवक को मार डाला। दोनों ने पहले लकड़ी की फेंटी से सिर पर हमला करके युवक की हत्या की। फिर ब्लेंडर मशीन (कटर) और आरी से उसके हाथ-पैर काट डाले। उसके बाद लाश को कानपुर के जंगल में ले जाकर जला दिया। हालांकि, लाश पूरी तरह से जल नहीं पाई। युवक की हत्या करने के बाद पति-पत्नी ने यू-ट्यूब पर यह भी सर्च किया कि धारा-302 के केस में कितनी सजा मिलती है? सजा से कैसे बचा जा सकता है? पुलिस ने सोमवार को पति-पत्नी को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा कर दिया। विजय निषाद को उसकी प्रेमिका ने अपने पति के साथ मिलकर मौत के घाट उतार दिया था। टिकरा गांव में रहने वाला विजय निषाद मजदूरी करता था। वह काम के सिलसिले में अक्सर हमीरपुर आता-जाता रहता था। वहीं, हमीरपुर का रहने वाला कामता प्रसाद गुजरात में नौकरी करता था। उसकी पत्नी किरन देवी हमीरपुर के मनकी गांव में अकेले रहती थी। करीब 1 साल पहले से विजय और किरन के बीच अफेयर चलने लगा। इसी बीच कामता को अपने रिश्तेदारों से पत्नी किरन के अफेयर के बारे में पता चल गया। उसने पत्नी के अफेयर का विरोध किया। साथ ही अपनी गुजरात की नौकरी छोड़कर गांव वापस आ गया। इसके बाद कामता और किरन ने मिलकर विजय को मारने का प्लान बनाया। पुलिस ने दोनों आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर 24 दिन पुरानी वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपी पति-पत्नी को गिरफ्तार कर 24 दिन पुरानी वारदात का खुलासा कर दिया। पुलिस के अनुसार, 8 मई को किरन ने विजय को फोन कर घर बुलाया। यहां उसने पति कामता के साथ मिलकर विजय की हत्या कर दी। फिर लाश भी ठिकाने लगा दी। इस बीच बेटे के लापता रहने की वजह से 11 मई को उसके पिता इंद्रपाल निषाद ने थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने पहले विजय निषाद का फोन ट्रेस किया। उसकी लोकेशन बार-बार बदल रही थी। इस पर पुलिस ने विजय की कॉल डिटेल निकाली। इसमें किरन और विजय के बीच बातचीत के रिकॉर्ड मिले। इसके बाद पुलिस ने किरन को फोन किया, तो वह घबरा गई और फोन काट दिया। पुलिस शक के आधार पर किरन के घर पहुंची और पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। किरन ने पुलिस की पूछताछ में बताया- विजय मना करने के बाद भी मुझे बार-बार फोन करता था। इस वजह से मेरे घर में झगड़ा होता था। इन सब से बचने के लिए ही हमने उसका मर्डर किया। पुलिस ने पति-पत्नी की निशानदेही पर हमीरपुर से विजय की बाइक बरामद की। साथ ही कानपुर से विजय का अधजला शव, हत्या में इस्तेमाल लकड़ी की चौखट, बाइक, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड समेत कई साक्ष्य बरामद किए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया- जांच में सामने आया है कि विजय का किरन देवी से अफेयर था। इसी बात को लेकर किरन के पति कामता प्रसाद निषाद उससे रंजिश रखता था। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि 8 मई को किरन ने विजय को मिलने के बहाने अपने घर बुलाया। वहां पहले से मौजूद कामता प्रसाद ने लकड़ी की चौखट से विजय के सिर पर कई वार कर उसकी हत्या कर दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बिगड़े प्रकाश राज के बोल:कहा- पता नहीं चाय बेचते थे या भीख मांगते थे

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसी)। साउथ के जाने-माने एक्टर प्रकाश राज ने फिर एक बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने नरेंद्र मोदी के चाय बेचने वाले दावे पर सवाल उठाते हुए, आपत्तिजनक बातें कही हैं। दरअसल, एक सोशल मीडिया यूजर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए लिखा था, मुझे पूरा यकीन है कि मोदी न तो चाय बेचने वाले थे और न ही भिखारी थे, वह पैदाइशी झूठे हैं। इस पर प्रकाश राज ने रिएक्ट करते हुए लिखा है, मुझे नहीं पता कि उन्होंने कभी चाय बेची थी या भीख मांगी थी या नहीं। लेकिन मैं उनके झूठों का गवाह रहा हूं। बताइए मेरी इस बात से कौन कौन सहमत है। सिर्फ पूछ रहा हूं। नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए बयान के बाद प्रकाश राज की जमकर आलोचना हो रही है। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा है, "जब किसी व्यक्ति के खिलाफ कोई ठोस बात नहीं मिलती और आप उस पर शारीरिक रूप से भी हमला नहीं कर सकते, तब आप उसके चरित्र हनन और तंज कसने का सहारा लेने लगते हैं।" वहीं एक यूजर ने लिखा, आपको सिर्फ आलोचना करने के बजाय देश को आगे बढ़ाने में योगदान देना चाहिए। बेकार की बातें करने और सरकार की आलोचना करने के बजाय राष्ट्र निर्माण में मदद कीजिए। क्या आपने कभी सरकार या देश के लिए कुछ किया है? लोग हमेशा यही क्यों सोचते हैं कि सरकार उन्हें मुफ्त सुविधाएं देती रहे? नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारियां निभानी चाहिए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी सम्पूर्णानन्द संस्कृत महाविद्यालय वाराणसी की शास्त्री (बी.ए.) की मार्कशीट, जिसका अनुक्रमांक 65543 है, वास्तव में कहीं खो गयी है।

संदीप शर्मा पुत्र श्री महेश दत्त शर्मा
109/35, गऊशाला, नदी रोड,
मुजफ्फरनगर

हरिद्वार में कांवड़िए को गोली मारी:10 दोस्त के साथ आया गंगाजल लेने

हरिद्वार, 1 जून (एजेंसी)। हरिद्वार में गंगाजल लेकर जा रहे कांवड़िए को शराबियों ने गोली मार दी, जिससे उसकी हालत नाजुक बनी हुई है और उसे ऋषिकेश अक्कटर रेफर कर दिया गया है। घटना के बाद इलाके में माहौल तनावपूर्ण हो गया। घायल युवक की पहचान ग्रेटर नोएडा के रहने वाले अजय के तौर पर हुई है, जो अपने 10 साथियों के साथ हरिद्वार से गंगाजल लेकर नोएडा की ओर पैदल जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में उनकी कुछ शराबियों से बहस हो गई थी। घायल युवक के दोस्त अन्नू के मुताबिक, विवाद के कुछ देर बाद शराबी हमारे पास पहुंचे। इससे पहले कि हम कुछ समझ पाते, आरोपियों ने अजय को निशाना बनाते हुए बेहद करीब से गोली चला दी। नोएडा निवासी 10 गौ-सेवकों का एक दल हरिद्वार से 221 लीटर गंगाजल लेकर पैदल यात्रा पर निकला था। यह दल 'गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने' की मांग के साथ 240 किलोमीटर की यात्रा कर रहा था। रविवार देर रात विश्राम के लिए यह दल कनखल क्षेत्र में गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पास हाईवे किनारे रुका था। कांवड़ियों के अनुसार, हाईवे के ऊपर बने पुल पर कुछ युवक शराब पी रहे थे और गाली-गलौज व शोर-शराबा कर रहे थे। जब नीचे आराम कर रहे कांवड़ियों ने उन्हें शोर न मचाने का अनुरोध किया, तो दोनों पक्षों में तीखी कहासुनी हो गई। विवाद के कुछ देर बाद आरोपी युवक पुल से नीचे आए। इससे पहले कि कांवड़िए कुछ समझ पाते, हमलावरों ने अजय (निवासी ग्रेटर नोएडा) को निशाना बनाकर करीब से गोली चला दी।

बाईक सवार दबंगों द्वारा सरे बाजार दो युवकों पर हमले का वीडियो वायरल

- मामूली कहासुनी के बाद बाइक सवार युवकों ने दो अन्य युवकों पर हमला किया

मीरापुर, 01 जून (बु.)। घर से बाजार सामान खरीदने गये दो युवकों पर बाइक सवार युवकों ने हमला बोल दिया। हमले में दोनों युवक बुरी तरह घायल हो गए। हमले की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने हमलावरों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया। गांव कैथोड़ा निवासी उस्मान पुत्र नूर मौहम्मद दो दिन पूर्व अपने दोस्त अनस पुत्र वसीम के साथ बाजार में दुकान पर सामान लेने गया था। इस दौरान इनकी दुकान पर गांव के ही युवक साहिब पुत्र शाहिद से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। उस समय लोगों ने मामला शांत करा दिया था, किन्तु आरोप है कि कुछ समय बाद साहिब अपने चार पांच साथियों के साथ बाइक पर सवार होकर आया और उस्मान और अनस पर पंच,बेल्ट तथा लात-घूसों से हमला बोल दिया। हमलावर युवकों ने दोनों को बुरी तरह पीटा। हमलें में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसके बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। परिजनों ने पुलिस को हमलें की सूचना दी। उक्त मारपीट की घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। उक्त घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। घायल उस्मान की माँ ने बताया कि घटना 30 मई की है किन्तु दो दिन बीतने के बाद भी पुलिस ने हमलावरों को गिरफ्तार नहीं किया है। आरोपी गांव में खुलेआम घूम रहे हैं। उधर इस सम्बंध में प्रभारी निरीक्षक मीरापुर राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ़्तार कर लिया जाएगा।

डंपर की टक्कर से श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी

हरिद्वार में महिला की मौत, 37 लोग गंभीर घायल

हरिद्वार, 1 जून (एजेंसी)। हरिद्वार में 30 टन गिट्टी से लदे तेज रफ्तार डंपर ने श्रद्धालुओं से भरी बस को टक्कर मार दी, जिससे बस बीच हाईवे पर पलट गई। हादसे में एक महिला की मौत हो गई और 37 लोग घायल हो गए। मौके पर पुलिस बल और स्थानीय लोगों ने घायलों को बस से बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया। हादसा सोमवार सुबह शांतिकुंज के पास हुआ। बस शांतिकुंज गेट नंबर 3 के पास सर्विस लेन से हाईवे पर आने के लिए मुड़ रही थी, तभी देहरादून के रायवाला की तरफ से आ रहे डंपर ने बस को सीधी टक्कर मार दी। टक्कर के बाद डंपर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक ढाबे में जा घुसा। इस दौरान वहां खड़ी एक बोलेरो भी डंपर की चपेट में आ गई, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई। सभी घायलों को जिला अस्पताल हरिद्वार भिजवाया गया है, जिसमें से 3 की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। बस में सवार 45 से ज्यादा लोग राजस्थान के रहने वाले थे। हरिद्वार पुलिस ने बताया कि सप्तऋषि क्षेत्र में पलटी राजस्थान के श्रद्धालुओं से भरी बस में एक महिला यात्री की मौत की पुष्टि हुई है। मृतक महिला राजस्थान के नागौर जिले की निवासी थी और अपने भाई समेत परिवार के साथ हरिद्वार आई थी। मृतक की पहचान राजस्थान के नागौर जिले की रहने वाली 50 वर्षीय पुष्पकंवर के तौर पर हुई है, जबकि 37 अन्य श्रद्धालु घायल हुए हैं। घायलों में 29 महिलाएं, 6 पुरुष और 2 बच्चे शामिल हैं, जिनमें से 3 की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है। शेष सभी घायलों का इलाज में हरिद्वार में चल रहा है।

सर्राफा बाजार

मुजफ्फरनगर, 01 जून, (बु.)। मुजफ्फरनगर सर्राफा बाजार के भाव इस प्रकार रहे:-

सोना-	160750	चांदी-	272400
सिक्का-	2665	गिन्नी-	111480

आपका आज का राशिफल

मंगलवार, 02 जून, 2026

मेष- परिस्थिति भाग्य के अनुरूप, वरिष्ठजनों की सलाह हितकर, धनागम का मार्ग प्रशस्त, वैमनस्यता का समापन, कठिनाइयों में कमी का एहसास, यश में वृद्धि।

वृषभ- शंका-कुशंका प्रभावी, व्यावसायिक हानि, दाम्पत्य जीवन में अशांति, आत्मीय-जनों से कष्ट, निर्णय-अनिर्णय की स्थिति, मानसिक बेचैनी, यात्रा से परेशानी।

मिथुन- विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, जिम्मेदारियों की पूर्ति हेतु अधिक व्यय, दाम्पत्य जीवन सुखमय, हर्षोल्लास का माहौल, धन की प्राप्ति, आत्मिक शांति।

कर्क- अभीष्ट सिद्धि का प्रयास, आपसी सम्बन्धों में मधुरता, उपस्थित व्यवधान समाप्त, लाभ का सिलसिला, अधिकारी वर्ग से अनुकूलता, यात्रा का प्रसंग।

सिंह- आशानुकूल परिवर्तन, नवीन कार्यों के प्रति रुचि जागृत, योजना साकार करने की दिशा में प्रयास, विनोद के अवसर सुलभ, विवाद का समापन, चित्त प्रफुल्लित।

कन्या- मित्रों परिजनों से तनाव, क्रोध की अधिकता, मन दुविधामय, सोचे हुए कार्य अपूर्ण, पठन-पाठन में अरुचि, अकेलेपन की अनुभूति, बढ़ते हुए खर्च से परेशान।

तुला- व्यावसायिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त, सुपरिचितों से सहयोग, भौतिक सुख के साधन उपलब्ध, स्थान-परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, मेल-मिलाप में अभिरुचि।

वृश्चिक- महत्वपूर्ण उपलब्धि, घरेलू समस्याएँ सुलझने की ओर, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता, सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि।

धनु- अधूरे कार्यों की पूर्ति, व्यक्तिगत परेशानी में कमी का अहसास, वैवाहिक अड़चनें समाप्त, प्रेम सम्बन्धों में प्रगाढ़ता, दूर या समीप की यात्रा का प्रसंग, चित्त प्रफुल्लित।

मकर- निराशा की स्थिति, कठिनाइयां प्रभावी, सामयिक कार्यों में अड़चनें, नवीन समस्याएँ उत्पन्न, प्रतियोगिता के क्षेत्र में असफलता, स्वयं की प्रतिभा कुंठित।

कुम्भ- दिनमान अनुकूल, किसी आयोजन में सम्मिलित होने का सुअवसर, आय के स्रोत उपस्थित, मौजमस्ती के निमित्त व्यय, सुख के साधन सुलभ, प्रतिष्ठा भी।

मीन- भाग्योन्नति हेतु नवीन आयाम, योजना साकार होने की ओर, अधिक संकट का निवारण, उपहार या सम्मान लाभ, भोग-विलासिता की ओर रुझान, यात्रा सफल।

महामंडलेश्वर स्वामी केशवानन्द सरस्वती की षोडशी पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

श्रद्धांजलि सभा में देश भर से आए साधु संतों, जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया

भोपा, 1 जून (बु.)। प्रसिद्ध तीर्थनगरी शुकतीर्थ स्थित हनुमत धाम के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी केशवानन्द सरस्वती की षोडशी पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना सहित देशभर से आए सैकड़ों साधु संतों, जनप्रतिनिधियों, गणमान्यों व भक्तजनों ने भाग लिया। षोडशी भंडारे और श्रद्धांजलि सभा में मौजूद अतिथियों ने स्वामी जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में पहुंचे उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि केशवानन्द जी महाराज जैसे संत धरती पर कभी-कभी पैदा होते हैं। उन्होंने अपना पूरा जीवन सनातन धर्म को मजबूत करने व लोगों को सही मार्ग दिखाने के लिए समर्पित कर दिया। सभा की अध्यक्षता कर रहे अटल पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर स्वामी विश्वात्मानन्द महाराज ने कहा कि जिस प्रकार पुष्प से सुगन्ध चली जाती है, लेकिन पुष्प वहीं रहता है। संत कभी नहीं मरते। उनकी आत्मा परमात्मा में लीन हो जाती है। चलने वाला नहीं, चलाने वाला बड़ा होता है। वृक्ष अपने फल नहीं खाते। संतों का जीवन परोपकार से परिपूर्ण होता है। परोपकार जैसा कोई पुण्य नहीं है। संत हमारे बीच साधना और उपासना के रूप में हमेशा हमारे बीच रहते हैं। जगद्गुरू मलूक पीठाधीश्वर स्वामी राजेन्द्रदास महाराज ने कहा कि संतों के प्रति वास्तविक श्रद्धा तभी होती है। जब उनकी देह पूर्ण हो जाती है। जगद्गुरू शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानन्द सरस्वती महाराज ने कहा कि विनाश और विकास प्रकृति का नियम है। ब्रह्मलीन स्वामी केश्वानन्द सरस्वती महाराज की शोडषी के अवसर पर पहुंचे शंकराचार्यों, साधु-संतों, आश्रमाध्यक्षों ने उन्हें याद किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने के साथ ही ब्रह्मलीन संत को श्रद्धांजलि दी। वहीं सभा में उपस्थित संत समाज ने आनंद स्वरूपानंद महाराज को ब्रह्मलीन स्वामी केशवानन्द महाराज का उत्तराधिकारी घोषित किया। उत्तराधिकारी शिष्य आनन्द स्वरूपानन्द महाराज का साधु-संतों ने पट्टा अभिषेक (महंती चादर विधि) को विधि-विधान से मंत्रोचारण के बीच संपन्न कराया। श्रद्धांजलि सभा में जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानन्द तीर्थ महाराज, महामण्डलेश्वर गीतामनीषी स्वामी ज्ञानानन्द महाराज, जगदगुरू स्वामी भैयादास महाराज, श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रविन्द्र पुरी महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी जयकिशन गिरि महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी विवेकानन्द गिरि महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी विनयस्वरूपानन्द सरस्वती, महामण्डलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानन्द गिरि महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी विद्यागिरि महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी दिव्यानन्द गिरि महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी शिव प्रेमानन्द महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी आनन्द चैतन्य महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी प्रेमानन्द गिरि महाराज, स्वामी विज्ञानानन्द महाराज ने ब्रह्मलीन स्वामी केश्वानन्द महाराज को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर सांसद चंदन चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, साध्वी प्राची, साध्वी आनन्द भारती, स्वामी गीतानन्द तीर्थ महाराज, स्वामी ओमानन्द महाराज, स्वामी गोपालदास महाराज, स्वामी विष्णु आचार्य महाराज, स्वामी ध्रुवानन्द महाराज, स्वामी भक्तिभूषण महाराज, स्वामी गंगेश्वरानन्द महाराज, स्वामी सच्चिदानन्द पुरी, कथाव्यास मनोज अवस्थी, विष्णुदत्त मिश्रा, स्वामी गोपालानन्द पुरी, रामदयाल महाराज, स्वामी विशेषानन्द महाराज, आत्मानन्द पुरी, अभ्यानन्द महाराज, मनोहर लाल शर्मा, स्वामी रविन्द्रानन्द महाराज, चन्द्रमा ब्रह्मचारी आदि मौजूद रहे। सभा की अध्यक्षता अटल पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर विश्वात्मानन्द सरस्वती महाराज व संचालन महामण्डलेश्वर स्वामी चिदम्बरानन्द सरस्वती महाराज ने किया। ब्रह्मलीन महामण्डलेश्वर स्वामी केशवानन्द सरस्वती की षोडशी पर संत समाज ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित संत सभा में साधु-संतों व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने ब्रह्मलीन स्वामी का भावपूर्ण स्मरण किया और श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर धर्म गुरूओं ने ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी माधवाश्रम महाराज के कार्यों को समाज के हित में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। वहीं भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

दिनदहाड़े कारोबारी की पत्नी की हत्या:गला रेतकर मार डाला

बाजार बंद कर व्यापारियों का हंगामा, सूचना के एक घंटे बाद पहुंची पुलिस

पूनम मित्तल, मृतक

सहारनपुर, 1 जून (एजेंसी)। थाना नकुड की चौकी अंबेहटा के कस्बे में सोमवार को दिनदहाड़े एक कारोबारी की 60 वर्षीय पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। वारदात के बाद पूरे कस्बे में सनसनी फैल गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस पर सूचना के बावजूद देर से पहुंचने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। घटना से नाराज व्यापारियों ने बाजार बंद कर दिया और जल्द खुलासे की मांग की। जानकारी के अनुसार, अंबेहटा के मोहल्ला झावरी निवासी संजय मित्तल की मुख्य बाजार में जनरल स्टोर की दुकान है। सोमवार शाम करीब 4:08 बजे उनकी पत्नी पूनम मित्तल के मोबाइल से उनके फोन पर कॉल आई। संजय मित्तल ने कई बार हेलो-हेलो कहा, लेकिन दूसरी ओर से कोई जवाब नहीं मिला। आशंका होने पर वह एक स्थानीय चिकित्सक को साथ लेकर घर पहुंचे। करीब 4:10 बजे घर पहुंचने पर उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजा खुला हुआ था। कमरे में उनकी पत्नी पूनम मित्तल खून से लथपथ जमीन पर पड़ी थीं। उनके गले पर धारदार हथियार से वार किया गया था। साथ आए चिकित्सक ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। संजय मित्तल के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। मौके पर कमरे में रखी अलमारी खुली मिली। मृतका के कानों से कुंडल भी गायब थे, जिससे लूटपाट के दौरान हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना तुरंत कस्बा चौकी इंचार्ज नरेंद्र अधाना को दी गई। आरोप है कि सूचना के बावजूद करीब एक घंटे तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची, जिससे लोगों का गुस्सा भड़क गया। स्थानीय लोगों ने चौकी इंचार्ज की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जताई।

होलिका दहन के स्थल का हवन पूजन करके किया गया शुद्धिकरण

मुजफ्फरनगर, 01 जून (बु.)। शहर के थाना नई मंडी क्षेत्र के ग्राम शहर नगर में प्राचीन सिद्ध पीठ शिव मंदिर के निकट होली का दहन के स्थल को बकरा ईद के पश्चात अवशेष डालकर अपवित्र कर दिया गया था, जिससे ग्राम वाशिओ में रोष व्याप्त हो गया था। हिंदू संघर्ष समिति को जैसे ही इस प्रकरण की जानकारी हुई, तुरंत हिंदू संगठन से जुड़े संगठनों के पदाधिकारी पुलिस प्रशासन के साथ गांव में पहुंचे थे। ग्रामवासियों को समझकर शांत किया था एवं इस स्थल की शुद्धिकरण का संकल्प दो दिन पूर्व ले लिया था। आज हिंदू संघर्ष समिति से जुड़े संगठनों के पदाधिकारी गांव में स्थित प्राचीन सिद्धपीठ शिव मंदिर के महंत कन्हैया गिरी जी महाराज एवं गांववासियों ने मिलकर हनुमान चालीसा का पाठ किया। गंगाजल का छिड़काव करके पवित्र होलिका दहन के स्थल को शुद्ध किया एवं सभी ने सम्मिलित रूप से हवन-पूजन करके शुद्धिकरण की प्रक्रिया को पूर्ण किया। इस अवसर पर हिंदू संघर्ष समिति के पदाधिकारी व कार्यकर्ता और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों के साथ-साथ सैकड़ों की संख्या में गांव वासीं उपस्थित रहे।

जेईई एडवांस में बिहार के शुभम टॉपर:दिल्ली के कबीर दूसरे नम्बर पर

कोटा, 1 जून (एजेंसी)। जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम यानी खएए-एडवांस का रिजल्ट रविवार देर रात जारी हुआ। इसमें बिहार के शुभम कुमार टॉपर रहे। दूसरे नंबर पर दिल्ली के कबीर छिल्लर और तीसरे नंबर पर झुंझुनूं (राजस्थान) के जतिन चाहर रहे। टॉप-10 में रहे 6 स्टूडेंट्स ने राजस्थान के कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई की। एजुकेशन एक्सपर्ट के मुताबिक परीक्षा में बैठने वाले कैंडिडेट्स में 31.65% पास हुए। जेईई एडवांस में 1 लाख 79 हजार 694 स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। 56 हजार 880 कैंडिडेट्स ने परीक्षा पास की। इस साल परीक्षा का कटऑफ बढ़कर 92 हो गया है। 2025 की तुलना में कटऑफ में 18 अंक का इजाफा हुआ। वहीं, सब्जेक्ट वाइज कटऑफ में जनरल कैटेगरी में 8 अंक बढ़े हैं।

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमति पूजा दुआ ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रात:कालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक-अंकुर दुआ
(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929
सम्पादक-9412210257
E-mail :
muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

रहें न रहें हम, महका करेंगे, बन के कली, बन के सबा, बागे वफा में....

- बचपन का नाम सुमन हेम्मडी था। पिता शंकर राव हेम्मडी कर्नाटक के मैंगलोर के एक सारस्वत ब्राह्मण परिवार से थे
- 1958 में रामानंद कल्याणपुर के साथ शादी, इसके बाद सुमन कल्याणपुर बनीं
- 1953 में पहली बार मराठी फिल्म शुक्राची चांदनी के लिए गाने का मौका मिला
- 1954 में हिंदी फिल्म मंगू के लिए लोरी रिकॉर्ड की
- पहला डुएट तलत महमूद के साथ गाया। बाद में शमशाद बेगम, मोहम्मद रफी, लता मंगेशकर, मुकेश, गीता दत्त, आशा भोसले, हेमंत कुमार, किशोर कुमार, मन्ना डे, महेंद्र कपूर के साथ भी गाने गाए।
- सुमन ने हिंदी, मराठी, असमिया, गुजराती, कन्नड़, मैथिली, भोजपुरी, राजस्थानी, बंगाली, ओडिया और पंजाबी समेत कई भाषाओं में गाने गाए

आशा भोंसले के बाद एक और प्यारी और मीठी आवाज ने दुनिया को अलविदा कह दिया। उस आवाज की मल्लिका थीं, सुमन कल्याणपुर। सुमन कल्याणपुर को 2023 में पद्मभूषण सम्मान मिला था। वे बहुत दिनों से अपनी ही सात सुरों की दुनिया में थीं। उन्हें नये जमाने के गीतों से भी कोई शिकायत नहीं थी। उन्होंने 11 भाषाओं में 3000 से अधिक फिल्मी-नॉन फिल्मी गाने गाये। रहें न रहें हम महका करेंगे यह 1966 में आई फिल्म ममता का गीत है इसे लता मंगेशकर और सुमन कल्याणपुर दोनों ने गाया है। एक गीत में लता मंगेशकर ही की सोलो आवाज है और दूसरे युगल संस्करण में सुमन कल्याणपुर के साथ मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी है।

उनका अंतिम संस्कार कल पवन हंस श्मशान घाट पर राजकीय सम्मान के साथ किया गया। सुमन हेम्मडी का जन्म 28 जनवरी 1937 को ढाका में हुआ, जो अब बांग्लादेश में है। पिता और माता सीता हेम्मडी के अलावा परिवार में 5 बेटियाँ और एक बेटा था, जिसमें सुमन अपने भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। 1943 में, उनका परिवार मुंबई आ गया, जहाँ उन्होंने अपना संगीत प्रशिक्षण प्राप्त किया। सुमन ने 1958 में बिजनेसमैन रामानंद कल्याणपुर से शादी की थी। उनके परिवार में उनकी बेटी चारू अग्नि हैं।

सुमन कल्याणपुर ने 1960 और 1970 के दशक में अपनी सुरीली आवाज से संगीत जगत में एक खास पहचान बनाई थी। इसी अवधि में उन्होने मोहम्मद रफी के साथ 140 से अधिक गीत गाये। उस दौर में लता मंगेशकर जैसी महान गायिका के रहते हुए भी उन्होंने अपनी अलग जगह बनाई। उनके गाये बहुत से गाने आज भी लोकप्रिय हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा मराठी, असमिया, कन्नड, बंगाली और ओडिया सहित कई भाषाओं में गाने गाये। लोग अक्सर उनकी आवाज की तुलना लता मंगेशकर से करते थे, लेकिन सुमन हमेशा इस तुलना को खारिज करती थीं। साल 2022 के एक इंटरव्यू में उन्होंने लता को अपना बेहद करीबी दोस्त बताते हुए कहा था कि उनसे मिलना हमेशा एक सहेली से मिलने जैसा एहसास कराता था।

जब 1960 के दशक में लता मंगेशकर और मोहम्मद रफी के बीच विवाद हुआ, तो सुमन कल्याणपुर संगीतकारों की पसंद बनीं और उन्होंने रफी साहब के साथ एक से बढ़कर एक ब्लॉकबस्टर गाने गाए। इस पर बात करते हुए सुमन कल्याणपुर ने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं उनसे बहुत प्रभावित थी। कॉलेज के दिनों में मैं उनके गाने सुनती थी। मेरी आवाज पतली और नाजुक थी, मैं क्या कर सकती थी। शुरूआत में रेडियो सेलोन, मेरे गानों को बिना नाम के चलाते थे, जिससे लोगों को ज्यादा भ्रम होता था। कभी-कभी मेरे रिकॉर्ड्स में नाम भी गलत लिखा होता था। एक समय जब एचएमवी ने 50 बेस्ट गानों की रिकॉर्डिंग जारी की, तो उसमें सबसे ज्यादा गाने सुमन के डाले गए, जबकि कैसेट के कवर में सिर्फ मोहम्मद रफी, तलत महमूद और किशोर कुमार की तस्वीर लगाई गई थी। सालों पहले नांदेड़ में आयोजित आषाढ़ी महोत्सव के दौरान सुमन कल्याणपुर ने एक इंटरव्यू में दावा किया कि मशहूर गाना ऐ मेरे वतन के लोगों, उनके लिए लिखा गया था। वो ये गाना तत्कालीन प्रधानमन्त्री जवाहरलाल नेहरू के सामने गाने वाली थीं। उन्होंने गाने की प्रैक्टिस भी कर ली थी, लेकिन परफॉर्मेंस से ठीक पहले, वो गाना लता मंगेशकर को दे दिया गया। इंटरव्यू में सुमन ने कहा था, जब मैं कार्यक्रम के दौरान गाना गाने के लिए मंच के पास पहुंची, तो मुझे रोका गया और कहा गया कि मैं इस गाने की बजाय दूसरा गाना गाऊं। ऐ मेरे वतन लोगों मुझसे छीन लिया गया था, यह मेरे लिए बड़ा सदमा था। वह बात आज भी चुभती है। चूंकि यह बात स्वयं सुमन कल्याणपुर ही ने बतायी, इसलिए इसे सच माना गया।

सुमन का रुझान बचपन ही से पेंटिंग और म्यूजिक की तरफ था। उन्होंने आर्ट्स में ग्रेजुएशन किया। सुमन ने कई दिग्गजों से संगीत की बारीकियां सीखीं। सुमन कल्याणपुर ने मोहम्मद रफी, मन्ना डे, मुकेश, तलत महमूद और हेमंत कुमार के साथ कुछ लोकप्रिय युगल गीत रिकॉर्ड किए। रफी के साथ उनके कुछ यादगार युगल गीत "आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे", "ना-ना करते प्यार", "तुम रूठो ना हसीना", "रहे न रहे हम", "परबतों के पेड़ों पर शाम का बसेरा", "ये पर्वतों के दायरे", "अजहु ना आए बलमा", "तुमने पुकारा और हम चले आये", "बाद मुद्दत के ये घडी आयी", "मुझसे शादी नहीं की", "दिल ने फिर याद किया", "तुझको दिलदारी की कसम" और "चांद तकता है इधर", मन्ना डे के साथ, उन्होंने दत्ताराम के संगीत निर्देशन में लोकप्रिय गीत "ना जाने कहाँ हम थे" गाया। मुकेश के साथ उन्होंने कई लोकप्रिय युगल गीत गाए हैं जैसे "ये किसने गीत छेड़ा", "अखियाँ का नूर है तू", "मेरे प्यार में तू है", "दिल ने फिर याद किया", "शमा से कोई नहीं", आदि।

कल्याणपुर में शास्त्रीय आधार के साथ कुछ यादगार गाने भी रिकॉर्ड किए गए, जिनमें "मनमोहन मन में हो तुम", "मेरे संग गा गुनगुना" और "गिर गइ रे मोर माथे की बिंदिया" शामिल हैं। यें तमाम गीत आज भी उनकी याद दिलाते हैं और संगीत की दुनिया में हमेशा उन्हें जिन्दा रखेंगे।

-प्रस्तुति
सुनील 'उत्सव'

1973-2026

सम्पादक की कलम से

2027 चुनाव को लेकर पार्टियां गंभीर

उत्तर प्रदेश के 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियां गंभीर दिखाई पड़ रही हैं। भाजपा संगठन को लेकर गंभीर दिखाई पड़ रही है। सपा उम्मीदवारों के चयन में लापरवाही नहीं बरतना चाहती। कांग्रेस की अपनी तैयारियां हैं। बसपा भी इन चुनावों में सक्रिय रहेगी। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी, संगठन को नये सिरे से मजबूत करने में जुटी है। योगी मंत्रिमंडल विस्तार के बाद अब पार्टी का पूरा फोकस प्रदेश संगठन में बदलाव और नयी टीम के गठन पर है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की नयी कार्यकारिणी को लेकर लखनऊ से दिल्ली तक बैठकों और मंथन का दौर जारी है। भाजपा नेतृत्व 2024 के चुनावी अनुभवों को ध्यान में रखते हुए सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों को साधने की रणनीति पर काम कर रहा है। जल्द ही प्रदेश कार्यकारिणी के नये चेहरों और पदाधिकारियों के नामों पर अंतिम मुहर लग सकती है। चुनाव आयोग की घोषणा के अनुसार, 10 राज्यों में राज्यसभा की 24 सीटों के लिए चुनाव 18 जून को होने वाले हैं। बीजेपी कोर ग्रुप के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चर्चा इन चुनावों के साथ-साथ विधान परिषदों में होने वाले आगामी चुनावों के मद्देनजर काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा, देश के राजनीतिक रूप से सबसे अधिक महत्वपूर्ण राज्य में एक पूर्ण संगठनात्मक टीम बनाने और अपनी चुनावी रणनीति को और मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से लोकसभा में 80 सांसद चुनकर जाते हैं और राज्य में विधानसभा की 403 सीट हैं। शीर्ष नेतृत्व ने कुछ अन्य राज्यों से संबंधित राजनीतिक घटनाक्रमों की भी समीक्षा की, जहां संगठनात्मक और प्रशासनिक बदलाव अपेक्षित हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक प्रधानमंत्री के आवास पर हुई। आमतौर पर यह बैठक दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित पार्टी मुख्यालय में होती है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के महासचिव बीएल संतोष और पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति के कई सदस्य भी उपस्थित थे। रविवार की चर्चाओं में देश की समग्र राजनीतिक स्थिति प्रमुख बिंदुओं में से एक थी। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में हुई राजनीतिक चर्चाएं नितिन नवीन द्वारा मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बुलाई गई भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक से पहले आयोजित की गईं। समाजवादी पार्टी अगले साल होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव में उतरने से पहले पूरी तरह से कील कांटा दुरुस्त कर लेना चाहती है। टिकट बंटवारे में वह इस बार किसी तरह की कोई गलती नहीं करना चाहती है। इसके लिए फार्मूला तय हो गया है। निजी एजेंसी से प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों का रिपोर्ट कार्ड तैयार कराया जा रहा है। सपा नेतृत्व इस बार रिपोर्ट कार्ड के साथ ही जिला स्तरीय नेताओं के फीडबैक के आधार पर टिकट फाइनल करेगा। टिकट के लिये खुद का जनाधार और क्षेत्र में अच्छी छवि ही को प्राथमिकता दी जाएगी। सपा मुखिया अखिलेश यादव इन दिनों जिलेवार नेताओं के साथ बैठकें कर रहे हैं। इसमें रिपोर्ट कार्ड के आधार पर स्थानीय नेताओं से फीडबैक लिया जा रहा है। इसमें सीट पर पार्टी की स्थिति, टिकट दिए जाने वाले उम्मीदवारों के बारे में जानकारी और पार्टी की कमजोरी और मजबूती के कारणों को पूछा जा रहा है। सर्वे रिपोर्ट और स्थानीय नेताओं के फीडबैक के आधार पर टिकट को अंतिम रूप दिया जाएगा। भले ही मजबूत दावेदारी हो, पर फीडबैक खराब हुआ तो टिकट नहीं मिलेगा। लोकसभा चुनाव में शानदार सफलता हासिल करने वाली सपा पिछले विधानसभा चुनाव की तरह इस बार कोई भी चूक नहीं चाहती है। इसीलिए फीडबैक और एजेंसी के सर्वे रिपोर्ट का आपस में मिलान कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि इन दोनों के मिलान में जिसकी दावेदारी मतदाताओं की नजर में मजबूत मिलेगी, उसे ही टिकट दिया जाएगा। जितनी सीटों पर इस तरह का काम पूरा हो चुका है, उन सीटों पर उम्मीदवारों को धीरे-धीरे क्षेत्र में लिए हरी झंडी दी जा रही है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जिन्हें भी हरी झंडी दी जा रही है, उनको सख्त हिदायत दी जा रही है कि कोई भी ऐसा काम न करें, जिससे उनकी और पार्टी की स्थिति खराब हो। सपा नेतृत्व का मानना है कि वर्ष 2022 का चुनाव वह अच्छा लड़ी, लेकिन जरा सी चूक से सत्ता में आने से रह गई। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम से वह उत्साहित है। कार्यकर्ताओं को अंदरखाने संदेश दिया जा रहा है कि वे अब मत प्रतिशत बढ़ाने में जुटें। सपा को वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में 111 सीटें और 32.06 प्रतिशत मत मिले और लोकसभा चुनाव 2024 में सपा 37 सीटें जीती और 33.59 प्रतिशत मत मिले। भाजपा वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में 41.29 प्रतिशत मत पाकर 255 सीटें जीती थी। इसीलिए कार्यकर्ताओं को सिर्फ और सिर्फ वोट बचाने और मत प्रतिशत बढ़ाने में जुटने का संदेश दिया जा रहा है। कांग्रेस भी चुनावों को लेकर गंभीर है। कांग्रेस के 10 दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन एवं प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में राहुल गांधी ने जिला कांग्रेस अध्यक्षों को संगठन की मूल विचारधारा, टीम वर्क और जनसरोकारों पर आधारित राजनीति का पाठ पढ़ाया। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि कांग्रेस में आगे बढ़ने का रास्ता चाटुकारिता जैसी परंपराओं से नहीं, बल्कि तपस्या, त्याग और कठोर परिश्रम से होकर जाता है। सत्र के दौरान राहुल गांधी ने एक रोचक नाट्य प्रस्तुति के जरिए कार्यकर्ताओं को यह संदेश दिया। बहुजन समाज पार्टी भी चुनाव मैदान में आने की तैयारी कर रही है। बसपा अध्यक्ष मायावती ने अलीगढ़ मंडल पर पदाधिकारियों की फेरबदल किया है। कुछ की जिम्मेदारी बढ़ाई गई हैं, तो कुछ को सीमित भी की गई हैं। मायावती के निर्देश पर एसआईआर के बाद बूथों में हुए बदलावों के दृष्टिगत बसपा अब 'बूथ बचाओ अभियान' और संगठन मजबूती को लेकर पार्टी नेताओं की मंडल स्तरीय समीक्षा बैठकें कर रही है। भाजपा, सपा, कांग्रेस, बसपा ये सब तो 2027 के विधानसभा चुनाव को गंभीरता से ले ही रही हैं, देखना यह है कि जनता इनमें से किस पार्टी को गंभीरता से लेती है।

चार तीर

सुनील उत्सव

'कुर्सी' 'ताक' 'सत्ता' 'राजनीति'

कुर्सी के आगे रिश्तों को भी ताक पर रखा,
ए राजनीति क्या तेरी ऐसी ही शक्ल है?
सत्ता मिली तो कुर्सियां, कुनबे में बाँट दीं,
ए राजनीति क्या तेरी ऐसी ही शक्ल है?

मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित, 19 प्रतिभाओं को मिला पुरस्कार और प्रोत्साहन

मुजफ्फरनगर, 01 जून (बु.)। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित केंद्र एवं राज्य स्तरीय बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में विकास भवन सभागार में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लखनऊ के लोक भवन सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह के सजीव प्रसारण के साथ संपन्न हुआ। प्रदेश स्तर पर कुल 1,682 मेधावी छात्र-छात्राओं, उनके अभिभावकों तथा प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि ये प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रदेश और देश का उज्ज्वल भविष्य हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की सफलता के पीछे अभिभावकों के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और विद्यालयों की भूमिका की सराहना की। राज्य स्तर पर उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को एक लाख रुपये का चेक, प्रशस्ति-पत्र, मेडल और शॉल भेंट कर सम्मानित किया गया। जनपद स्तर पर आयोजित समारोह में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ नगर पालिका परिषद अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष संजय राठी, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी कमल किशोर, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश श्रीवास्तव सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में हाईस्कूल के 9 तथा इंटरमीडिएट के 10 मेधावी छात्र-छात्राओं को उनके अभिभावकों और विद्यालयों के प्रधानाचार्यों सहित प्रशस्ति-पत्र, मेडल एवं 21 हजार रुपये का चेक देकर सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि वर्तमान युग विज्ञान, नवाचार और तकनीक का युग है तथा विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा से यह सिद्ध कर दिया है कि वे देश के भविष्य को नई दिशा देने में सक्षम हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार आगे बढ़ने का अवसर दें, जिससे वे अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्त कर सकें। उन्होंने छोटे बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखने और तकनीक का संतुलित उपयोग करने की सलाह भी दी। मीनाक्षी स्वरूप ने विद्यार्थियों को अनुशासन, मेहनत और निरंतर अध्ययन का संदेश देते हुए राष्ट्र-निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। संजय राठी ने कहा कि मेधावियों की उपलब्धियां पूरे जनपद का गौरव हैं और ऐसे सम्मान समारोह युवाओं में प्रतिस्पर्धा और उत्कृष्टता की भावना को बढ़ावा देते हैं। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने कहा कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान समाज और शिक्षा व्यवस्था दोनों के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम के अंत में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने सभी सम्मानित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का संचालन बाल कल्याण समिति के सदस्य राजीव कुमार ने किया।

जिला टॉपर्स को कैबिनेट मंत्री ने किया सम्मानित

– बुढ़ाना के वंश सिंघल को मिला नकद पुरस्कार

बुढ़ाना, 01 जून (बु.)। जनपद में बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को जिला मुख्यालय पर सम्मानित किया गया। कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार और नगर पंचायत अध्यक्षा मीनाक्षी स्वरूप ने मेधावियों को नकद चेक देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर कस्बा बुढ़ाना में स्थित दयानंद इंटर कॉलेज के कक्षा-12 के छात्र वंश सिंघल को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वंश ने कक्षा-12 की जिला मेरिट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। नकद चेक मिलने पर सभी विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस कार्यक्रम में जिला अधिकारी उमेश मिश्रा, कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, नगर पंचायत अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप और रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मेधावी छात्रों की मेहनत की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चरथावल के क्यामपुर में सरकारी पेड़ काटने का आरोप, ग्रामीणों ने थाने में शिकायत दी

चरथावल, 01 जून (बु.)। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव क्यामपुर में सरकारी पेड़ काटने का मामला सामने आया है। गांव के निवासी इरफान अली और जाकिर ने कुछ लोगों पर सरकारी भूमि से पेड़ काटने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस संबंध में चरथावल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि आरोपियों ने बिना किसी अनुमति के सरकारी भूमि पर खड़े पेड़ों को काटा है। इससे सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। इस घटना को लेकर गांव में ग्रामीणों के बीच चर्चा का माहौल बना हुआ है। पीड़ितों ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। चरथावल पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि सरकारी पेड़ों का अवैध कटान हुआ है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाने चाहिए। इससे भविष्य में ऐसी घटनाओं पर रोक लग सकेगी। चरथावल थाना प्रभारी सत्यनारायण दहिया का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी

पुरस्कृत शिक्षक शिक्षा विभाग की अमूल्य धरोहर हैं : संदीप कुमार

मुजफ्फरनगर, 01 जून (बुस.)। बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, मुजफ्फरनगर में राष्ट्रीय एवं राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों की संस्था शिक्षक वेलफेयर सोसाइटी, सहारनपुर मंडल की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय राजपुर-छाजपुर के प्रधानाध्यापक बृजपाल सिंह राठी ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार रहे। बैठक में मंडल और जनपद के विभिन्न राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों ने भाग लेते हुए शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने के लिए अपने विचार साझा किए। बैठक के दौरान पुरस्कृत शिक्षकों की विभिन्न मांगों और मूलभूत आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों ने केंद्र सरकार की तर्ज पर सेवा अवधि में तीन वर्ष की वृद्धि तथा व्यक्तिगत वेतनमान के स्थान पर एक अतिरिक्त वेतन वृद्धि किए जाने जैसे विषयों को प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर एक विशेष पहल के तहत जनपद मुजफ्फरनगर के सभी राष्ट्रीय एवं राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के नाम, पदनाम, विद्यालय तथा पुरस्कार प्राप्ति वर्ष का विवरण अंकित शिलापट्ट स्थापित कराया गया। इस शिलापट्ट का अनावरण और स्थापना जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में सम्मानित शिक्षकों के बीच संपन्न हुई, जिसकी सभी उपस्थित शिक्षकों ने सराहना की। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि सम्मानित शिक्षक शिक्षा विभाग की अमूल्य धरोहर हैं और उनके अनुभव का लाभ नई पीढ़ी के शिक्षकों तथा विद्यार्थियों तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने सभी पुरस्कृत शिक्षकों से शिक्षा की गुणवत्ता में गुणात्मक सुधार लाने के लिए एक टीम के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने निपुण भारत मिशन, इको क्लब, स्कूल चलो अभियान सहित विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। साथ ही सुझाव दिया कि नवाचारी शिक्षकों की टीम बनाकर नई-नई शिक्षण पद्धतियों को विद्यालयों में लागू किया जाए ताकि विद्यार्थियों को बेहतर और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध हो सके। बैठक में सोसाइटी के संरक्षक महावीर सिंह, मंत्री ऋषिपाल, मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार, शामली जिला अध्यक्ष अजय मलिक सहित मुजफ्फरनगर जनपद के अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक पूर्वी पाठशाला के पूर्व प्रधानाध्यापक सीताराम रहे। बैठक के दौरान सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था भी की गई। अंत में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्ति की घोषणा की गई।

गरीब बेटियों की शिक्षा-विवाह में सहयोग करेगा सर्व सनातन धर्म एकता मंच, हुआ शुभारम्भ

मुजफ्फरनगर, 01 जून (बुस.)। नगर में समाज की गरीब, निर्धन और जरूरतमंद बेटियों की शिक्षा एवं विवाह में सहयोग के उद्देश्य से 'सर्व सनातन धर्म एकता मंच' का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। संस्था के संरक्षक ऋषिपाल ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों की शिक्षा और विवाह में सहयोग प्रदान करना है, ताकि आर्थिक अभाव उनके भविष्य में बाधा न बन सके। संस्था की कार्ययोजना के अनुसार, अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ा जाएगा। प्रत्येक सदस्य से प्रतिमाह 100 रुपये का सहयोग लिया जाएगा। इस राशि को एकत्र कर जरूरतमंद कन्याओं की पढ़ाई, विवाह और अन्य सामाजिक कार्यों में खर्च किया जाएगा। पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के सहयोग से यह मंच जरूरतमंद परिवारों के लिए सहारा बनेगा और बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने में मदद करेगा। कार्यक्रम के दौरान कई लोगों ने संस्था की सदस्यता ग्रहण कर इस सामाजिक अभियान से जुड़ने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने समाज सेवा, मानव कल्याण और जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

प्रयागराज में सांसद के कार्यक्रम की बिजली काटी

प्रयागराज, 1 जून (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह सोमवार को एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा और डीसीपी मनीष कुमार शांडिल्य पर भड़क उठे। संजय सिंह सर्किट हाउस में पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं को लेकर छात्रों के साथ संवाद कर रहे थे। एडीएम और डीसीपी पुलिस फोर्स के साथ कार्यक्रम रुकवाने पहुंच गए। एडीएम सत्यम मिश्रा ने संजय सिंह से किनारे चलकर बात करने को कहा। इस बात पर संजय सिंह नाराज हो गए। उन्होंने अधिकारियों को खूब खरी-खोटी सुनाई। संजय सिंह ने कहा कि क्या मैं कानून व्यवस्था भंग कर रहा हूं, जो आप मुझे रोकने आए हैं। क्या पेपर लीक पर चर्चा करना गुनाह है? आपको सर्किट हाउस के अंदर आने का अधिकार ही नहीं है। अगर मैं सार्वजनिक स्थान या सड़क पर कोई कार्यक्रम करता तो आप एक बार रोक सकते थे। सांसद के अधिकारों का हनन करना चाहते हैं। इसकी शिकायत मैं प्रिविलेज कमेटी से करूंगा।

एसडी मैनेजमेंट स्टडीज में बी.बी.ए. प्रथम सेमेस्टर परीक्षा परिणाम घोषित

मुजफ्फरनगर, 01 जून (बुस.)। एसडी कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में बीबीए प्रथम सेमेस्टर परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। परिणाम घोषित होने के उपरांत कॉलेज परिसर में उत्साह एवं खुशी का वातावरण देखने को मिला। विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धियों पर कॉलेज प्रशासन द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संदीप मित्तल एवं बीबीए विभागाध्यक्ष राजीव पाल सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. संदीप मित्तल ने विद्यार्थियों को सफलता की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि शिक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास एवं जीवन में सफलता प्राप्त करने का आधार है। बीबीए विभागाध्यक्ष राजीव पाल सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कठिन मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। प्रथम स्थान स्पर्श चौधरी ने 81.29 प्रतिशत, द्वितीय स्थान मानस्वी त्यागी ने 80.86 प्रतिशत, जबकि तृतीय स्थान श्रुति पुंडीर ने 79.71 प्रतिशत अंक प्राप्त कर हासिल किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि कॉलेज का सकारात्मक वातावरण एवं शिक्षकों का निरंतर सहयोग उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। विद्यार्थियों ने कहा कि वे भविष्य में अपने ज्ञान एवं कौशल के माध्यम से समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देना चाहते हैं। कार्यक्रम के दौरान बी.बी.ए. विभाग के सभी शिक्षक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। इनमें डॉ. संगीता गुप्ता, दीपक गर्ग, मोहम्मद अंजर, संजय शर्मा, सोनिका, पूरवी, प्राची, रोहन त्यागी, प्रशांत गुप्ता, विनीता चौधरी, सतीश, अमित, पवन बलियान एवं लवी वर्मा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गोदभराई के बीच पहुंचा सिरफिरा प्रेमी, युवती के अपहरण का किया प्रयास

कन्नौज, 1 जून (एजेंसी)। कन्नौज जिले के एक मोहल्ले में गोदभराई की रस्म चल रही थी। इसी बीच सिरफिरा आशिक वहां आ धमका और युवती के अपहरण का प्रयास किया। इससे मौके पर मौजूद लोगों में खलबली मच गई। परिजन के प्रयास और मेहमानों की सूझबूझ से युवती को सुरक्षित बचा लिया गया। लोगों ने आरोपी युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। युवती के भाई ने दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि शहर के काजीटोला मोहल्ला निवासी सागर काफी समय से 21 वर्षीय बहन को परेशान कर रहा था। आरोपी लगातार युवती पर जबरन शादी करने का दबाव बना रहा था। सामाजिक प्रतिष्ठा और लोक-लाज के डर से पीड़ित परिवार अब तक खामोश था। आरोप है कि सागर करीब 11 बजे सीधे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचा और युवती को जबरन खींचकर ले जाने का प्रयास करने लगा। शोर सुनकर घर के अंदर मौजूद परिजन और मेहमान भी बाहर आ गए।

भारतीय शहर रात को 60 गुना ज्यादा चमकीले हुए

- 50% लोग आर्टिफिशियल रोशनी से होने वाले प्रदूषण का सामना कर रहे; दुनिया का 80% हिस्सा प्रभावित

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसी)। आर्टिफिशियल रोशनी की वजह से दुनिया का 80% हिस्सा प्रभावित है। 2014 से 2022 के बीच दुनिया में रात के समय आर्टिफिशियल रोशनी में लगभग 16% वृद्धि हुई। क्लाइमेट-टेक स्टार्टअप प्राणा एयर के मुताबिक भारत की 50% से अधिक आबादी हर रात आर्टिफिशियल रोशनी से होने वाले प्रदूषण का सामना करती है। बड़े शहरों की रातें 60 गुना ज्यादा चमकीली हो चुकी हैं। इंसानों, कीटों, जानवरों और पक्षियों पर भी इसका असर हो रहा है। प्रकाश प्रदूषण पशु-पक्षियों में प्रवास, प्रजनन, घोंसला बनाने और अंडों से बच्चे निकलने जैसी कई जैविक प्रक्रियाओं को बदल देता है। कई रात्रिकालीन कीट विलुप्त हो रहे हैं। इंसानों की आंखों की रोशनी और नींद के साइकिल पर भी असर पड़ रहा है। रात में मेलाटोनिन हार्मोन का स्तर घट रहा। इससे डायबिटीज, डिप्रेशन, हार्ट डिजीज, कैंसर जैसे रोग बढ़ने का जोखिम। चेक रिपब्लिक में स्ट्रीटलाइट्स को केवल जमीन पर फोकस नहीं करने पर 3 लाख रुपए से ज्यादा जुर्माना लग सकता है। फ्रांस में रात 1 बजे के बाद दुकानों, दफ्तरों की बाहरी लाइट बंद करना जरूरी। तीन हजार केल्विन से ज्यादा नहीं लगा सकते। जर्मनी में रिहायशी इलाकों में रात 10 बजे के बाद तेज रोशनी प्रतिबंधित की गई है। चेक रिपब्लिक में स्ट्रीटलाइट्स को केवल जमीन पर फोकस नहीं करने पर 3 लाख रुपए से ज्यादा जुर्माना लग सकता है। फ्रांस में रात 1 बजे के बाद दुकानों, दफ्तरों की बाहरी लाइट बंद करना जरूरी। तीन हजार केल्विन से ज्यादा नहीं लगा सकते। जर्मनी में रिहायशी इलाकों में रात 10 बजे के बाद तेज रोशनी प्रतिबंधित की गई है।

खतौली सीओ ने घायल युवक को अपनी गाड़ी से पहुंचाया अस्पताल

खतौली, 01 जून (बु.)। राष्ट्रीय राजमार्ग-58 पर सोमवार सुबह मानवता और कर्तव्यनिष्ठा का प्रेरणादायक उदाहरण देखने को मिला जब खतौली की क्षेत्राधिकारी (सीओ) रुपाली राव चौधरी ने सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की तत्परता से मदद कर उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई। जानकारी के अनुसार, सीओ रुपाली राव अपने सरकारी आवास से कार्यालय जा रही थीं। इसी दौरान कामाख्या मंदिर के सामने नावला कट ओवरब्रिज पर एक युवक सड़क हादसे में घायल अवस्था में पड़ा मिला। युवक के शरीर से अत्यधिक रक्तस्राव हो रहा था और उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सीओ ने एंबुलेंस का इंतजार करने के बजाय तत्काल अपना वाहन रुकवाया और घायल युवक को सरकारी गाड़ी से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, खतौली पहुंचाया। अस्पताल में उन्होंने स्वयं मौजूद रहकर चिकित्सकों से युवक का प्राथमिक उपचार शुरू कराया। स्थानीय लोगों ने सीओ की संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय की सराहना की है। कांग्रेस नेता नितिन कटारिया ने कहा कि आज के समय में जहां लोग हादसों के दौरान मदद करने के बजाय वीडियो बनाने में व्यस्त रहते हैं, वहीं सीओ रुपाली राव का यह कदम समाज के लिए मिसाल है। घटना के बाद क्षेत्र में सीओ रुपाली राव चौधरी की व्यापक प्रशंसा हो रही है। सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने इसे उत्तर प्रदेश पुलिस की जनसेवा एवं मित्र पुलिस की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया है। लोगों का कहना है कि इस कार्य ने एक बार फिर साबित कर दिया कि खाकी वर्दी के पीछे एक संवेदनशील और मानवीय दिल भी धड़कता है।

यूपी में एनआईए के डिप्टी एसपी की मौत: साथी युवती घायल

दिल्ली लखनऊ हाईवे पर दर्दनाक हादसा

मुरादाबाद, 1 जून (एजेंसी)। कटघर थाना इलाके में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर बड़ा हादसा हुआ है। शुक्रवार की रात 11:30 बजे आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से बाइक घुस गई। हादसे में बाइक सवार एनआईए के डिप्टी एसपी ईशान मेहरा (32) की मौत हो गई। बाइक पर सवार जयपुर की महिला पूनम घायल हो गई। हादसे के समय दोनों दिल्ली से बाजपुर जा रहे थे।

पुलिस ने महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि पंजाब के महोली निवासी ईशान मेहरा दिल्ली में एनआईए में डिप्टी एसपी के पद पर तैनात थे। शनिवार और रविवार को दफ्तर की छुट्टी होने के कारण शुक्रवार की रात ईशान अपनी मित्र पूनम के साथ बाइक से बाजपुर जा रहे थे। रात करीब साढ़े 11 बजे इनकी बाइक कटघर क्षेत्र में लखनऊ दिल्ली हाईवे पर देवापुर गांव के सामने से गुजर रही थी। इसी दौरान आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से बाइक घुस गई। हादसे में ईशान और पूनम घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। डॉक्टरों ने ईशान को मृत घोषित कर दिया। जबकि महिला को भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया। हादसे में जान गंवाने वाले ईशान दिल्ली में एनआईए में डिप्टी एसपी थे।

पांच साल के प्रेम को मिला मुकाम, शिक्षिका ने जेंडर ट्रांजिशन करा चुके साथी से रचाई शादी

जमुई, 1 जून (एजेंसी)। जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड में हुआ एक अनोखा विवाह इन दिनों पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। इढरउ से चयनित एक शिक्षिका ने अपने जेंडर ट्रांजिशन करा चुके साथी के साथ हिंदू रीति-रिवाज से विवाह कर लिया। दोनों का कहना है कि उनका संबंध पिछले करीब पांच वर्षों से था और अब उन्होंने इसे सामाजिक पहचान देने का निर्णय लिया। जानकारी के अनुसार, लक्ष्मीपुर प्रखंड के हरला गांव निवासी नैन्सी कुमारी वर्तमान में प्राथमिक विद्यालय मेदनीपुर में शिक्षिका के रूप में कार्यरत हैं। बताया जाता है कि उनकी करीबी रिश्तेदारी में आने वाली राखी कुमारी से बचपन से ही गहरी मित्रता थी। दोनों ने साथ पढ़ाई की, एक ही समय मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की और आगे की शिक्षा के दौरान भी एक-दूसरे के संपर्क में रहीं। परिजनों और स्थानीय लोगों के अनुसार, उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। वर्ष 2023 में दोनों पटना जाकर इढरउ की तैयारी करने लगीं। वर्ष 2025 में नैन्सी का चयन शिक्षक भर्ती परीक्षा के माध्यम से सरकारी शिक्षिका के रूप में हुआ। इसी बीच राखी ने जेंडर ट्रांजिशन की प्रक्रिया पूरी की और अपना नाम राहुल रख लिया। स्थानीय लोगों का दावा है कि इस प्रक्रिया में लगभग छह महीने का समय लगा। इसके बाद दोनों ने अपने संबंध को विवाह का रूप देने का फैसला किया। दोनों ने 31 मई को लक्ष्मीपुर प्रखंड स्थित पटेश्वर नाथ मंदिर में सादगीपूर्ण समारोह में सात फेरे लिए। विवाह में सीमित संख्या में लोग मौजूद रहे।

युवती मोबाइल टावर पर चढ़ी और बोली: शादी करुंगी तो इससे

– 06 महीने पहले मर्जी के खिलाफ शादी हुई, अब ब्वाय फ्रेंड संग रहने पर अड़ी

प्रयागराज, 1 जून (एजेंसी)। एक युवती मोबइल टावर पर चढ़ गई। वहां से वह कूद कर जान देने की धमकी देने लगी। इससे वहां हंगामा मच गया। युवती धीरे धीरे टावर के ऊपर चढ़ती गई और अपनी मांग पूरी न होने पर कूद कर जान देने की बात कहने लगी। उसके टावर पर चढ़ने की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। सूचना पर पुलिस भी पहुंची है। उसे उतारने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं मानी। युवती शिशवा गांव की बताई जा रही है। मामला मऊआइमा इलाके में लगे टावर का है। वह किस वजह कर टावर पर चढ़ी, यह बात शुरू में सामने नहीं आया। इसके लिए पुलिस ने युवती के घरवालों को मौके पर बुलवाया। परिवार के सामने आने के बाद पता चला कि युवती अपनी शादी से खुश नहीं है। वह अपने प्रेमी के साथ रहना चाहती है। प्रेमी राजी नहीं है, इसलिए वह टावर पर चढ़ गई। तीन घंटे तक समझाने के बाद पुलिस से आश्वासन मिला। उसके बाद वह टावर से उतरी। प्रयागराज के मऊआइमा थाना क्षेत्र के जाजापुर के रहने वाले राकेश कुमार की बेटी 20 साल की सपना करीब 3.30 बजे दौड़ते हुए घर से दौड़ते हुए निकली और टावर पर चढ़ गई। यह टावर घर से करीब एक किलोमीटर दूर है। लड़की अपने हाथ मोबाइल लिए हुए है। वह लगातार किसी से बात करती रही। शुरूआती पूछताछ में प्रेमी से झगड़े की बात सामने आई है। सपना की शादी छह महीने पहले घरवालों ने मर्जी के खिलाफ कर दी थी। शादी के बाद सपना मायके आई तो वापस नहीं गई। गांव के युवक राजेंद्र से उसका प्रेम संबंध था। इन दिनों लड़की जिद किए थी कि राजेंद्र उसे लेकर भाग जाए। प्रेमी उसे ले जाने को तैयार नहीं था। आज दोनों में इसी झगड़ा हुआ। इसके बाद वह टावर पर चढ़ गई कि प्रेमी उसे अपने साथ घर लेकर चले। इसी गुस्से में वह टावर पर चढ़कर उसके साथ जाने की मांग करने लगी। पुलिस ने करीब तीन घंटे मशक्कत की। समझाया कि प्रेमी से बात की जाएगी। ससुराल वालों से भी बात की जाएगी। तीन घंटे तक मान-मनौव्वल के बाद वह टावर से उतर गई है। वह पुलिस कस्टडी में है। घरवालों के सामने बात चल रही है।

इलाज न मिला, 4 दिन की बच्ची की मौत:पिता बोले- बेटी तड़पकर मर गई

कानपुर, 1 जून (एजेंसी)। जीवन जीने के लिए आई हमीरपुर की 4 दिन की मासूम बच्ची की इलाज न होने की वजह से अब मौत हो गई है। बच्ची की सांस और आहार नली आपस में ज्वाइंट थी। परिजनों ने बताया- 4 दिनों तक हमीरपुर, कानपुर और लखनऊ के अस्पतालों में चक्कर काटता रहा, लेकिन उसको इलाज नहीं मिला। पिता मनोज ने कहा- जैसे मेरी बेटी ने तड़प- तड़प कर दम तोड़ा है, ऐसे किसी की मासूम न मरे। उन्होंने बताया- वह हमीरपुर के जिला अस्पताल और कानपुर के हैलट अस्पताल और लखनऊ के रामनोहर लोहिया अस्पताल में लेकर गए थे, लेकिन इलाज नहीं मिला था। इसके बाद बच्ची ने रविवार रात करीब 12 बजे दम तोड़ दिया। बच्ची के दादा इंद्रबाबू हमीरपुर से बच्ची का इलाज कराने के लिए कानपुर आए थे। हमीरपुर में एक निजी अस्पताल में 28 मई को बच्ची का जन्म हुआ था। उसके बेहतर इलाज के लिए उसे कानपुर के हैलट भेज दिया गया था। इंद्रबाबू ने कहा- हैलट में बताया गया कि बच्ची का यहां इलाज नहीं हो सकेगा। हैलट से लखनऊ ढक्क्रेफर कर दिया। उसके बाद परिवार बच्ची को लेकर लखनऊ गया। अब इलाज न होने की वजह से बच्ची की मौत हो गई।

दिल्ली के जीटीबी अस्पताल से बच्चे का अपहरण

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसी)। दिल्ली के शाहदरा जिले के जीटीबी एंक्लेव थाना क्षेत्र स्थित गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल से रविवार को 7 महीने के मासूम के अपहरण के बाद पुलिस ने आरोपी महिला की धरपकड़ के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। पुलिस अस्पताल परिसर और आसपास के रास्तों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालने में जुटी है। प्राथमिक जांच में संदिग्ध महिला के कुछ सुराग हाथ लगे हैं, जिनके आधार पर उसकी पहचान की कोशिश की जा रही है। इस सनसनीखेज वारदात के बाद अस्पताल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं, वहीं बच्चे की मां नाजरीन का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार, सीमापुरी निवासी 23 वर्षीय नाजरीन रविवार को अपने 7 महीने के बेटे के साथ जीटीबी अस्पताल आई थी। मेडिकल प्रक्रिया के दौरान नाजरीन को डॉक्टर की पर्ची (मेडिकल स्लिप) लेने के लिए कतार में लगना था। उसने करीब एक सप्ताह पहले सीलमपुर में मिली एक अज्ञात महिला पर भरोसा करते हुए अपने बच्चे को उसकी गोद में छोड़ दिया। लेकिन चंद मिनटों बाद जब नाजरीन स्लिप लेकर लौटी, तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। महिला और बच्चा दोनों वहां से नदारद थे। अस्पताल में काफी तलाश के बाद जब बच्चा नहीं मिला, तो तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी महिला ने बेहद शातिर तरीके से पहले नाजरीन से दोस्ती बढ़ाई, उसका भरोसा जीता और फिर मौका पाकर बच्चे को लेकर फरार हो गई।

योगी बोले- जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी : सहारनपुर में मां शाकंभरी देवी मंदिर देखा, 2 की मौत-12 गाड़ियां बही थीं

सहारनपुर, 1 जून (एजेंसी)। सिद्धपीठ मां शाकंभरी देवी क्षेत्र में आई बाढ़ और लगातार खराब मौसम के बीच सीएम योगी सोमवार को शाकंभरी पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों के साथ नुकसान का जाएजा लिया। नाराज सीएम ने कहा- जांच में जिस भी अधिकारी-कर्मचारी की लापरवाही सामने आएगी। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अनुमान है कि मंगलवार से मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुल सकते हैं। अंतिम निर्णय सोमवार को हालात की समीक्षा के बाद लिया जाएगा। चार दिन पहले, गुरुवार रात आंधी-तूफान, मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचा दी थी। इसके बाद से सुरक्षा कारणों से मां शाकंभरी देवी मंदिर के कपाट अभी बंद हैं, जिससे श्रद्धालु दर्शन नहीं कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक के बाद जिस तरह के संकेत सामने आए हैं, उससे प्रशासनिक जवाबदेही और परियोजनाओं में देरी का मुद्दा राजनीतिक और नौकरशाही गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। नगर विधायक राजीव गुंबर के अनुसार मुख्यमंत्री ने बैठक में शाकंभरी में आई आपदा को दैवीय आपदा बताते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि मंदिर तक पहुंच मार्ग और अन्य निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा कराया जाए। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति पर भी अधिकारियों से जवाब-तलब किया और कार्यों में तेजी लाने के आदेश दिए।

बैठक में एक बड़ा मुद्दा उस पुल परियोजना का भी रहा, जो बड़ा देव से मां शाकंभरी देवी मंदिर तक बनाई जा रही है। जानकारी के अनुसार मंदिर प्रबंधन द्वारा स्टे लिए जाने के कारण परियोजना अटक गई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे मंदिर प्रबंधन से बातचीत कर समाधान निकालें ताकि विकास कार्य बाधित न हों। दूसरी ओर, एडीजी मेरठ जोन भानु भास्कर ने कहा- आपदा वाली रात अधिकारी तड़के तीन बजे से मौके पर मौजूद थे और मौसम को लेकर पहले से अलर्ट भी जारी किया गया था। उनके अनुसार हादसे की चपेट में वही लोग आए जिन्होंने प्रशासन की चेतावनियों का पालन नहीं किया। शाकंभरी आपदा के बाद चौकी प्रभारी के निलंबन, अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल और अब मुख्यमंत्री की उच्चस्तरीय समीक्षा ने यह संकेत जरूर दे दिए हैं कि सरकार इस मामले को केवल प्राकृतिक आपदा मानकर आगे बढ़ने के मूड में नहीं है। हालांकि सीएम ने सहारनपुर दौरे के दौरान मीडिया से दूरी बनाए रखी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत बेहट, बरौली, कलसिया, जसमौर और भूरादेव समेत विभिन्न स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई थी। जसमौर तिराहे को अंतिम पड़ाव बनाया गया था, जहां से हजारों श्रद्धालुओं को वापस लौटाया गया। मंदिर क्षेत्र से करीब सात किलोमीटर पहले ही लोगों की आवाजाही रोक दी गई।

सहारनपुर के शाकंभरी में बाढ़ प्रकरण में चौकी इंचार्ज सस्पेंड : सैलाब आने से दो महिलाओं की मौत हुई थी, देर से पहुंचे थे अधिकारी

सहारनपुर, 1 जून (एजेंसी)। सहारनपुर के शाकंभरी देवी क्षेत्र में आई बाढ़ और दो महिला श्रद्धालुओं की मौत के मामले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित दौरे से पहले प्रशासन ने शाकंभरी देवी चौकी प्रभारी संजय कुमार को निलंबित कर दिया है। हालांकि इस कार्रवाई के बाद पूरे मामले में वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। गुरुवार देर रात अचानक आए तेज जलप्रवाह ने शाकंभरी देवी मंदिर क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी थी। भूरादेव मंदिर से लेकर मुख्य मंदिर परिसर तक खड़े कई वाहन पानी में बह गए थे। कई दुकानों और निर्माण कार्यों को भी नुकसान पहुंचा था। इस हादसे में दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।

अहिल्याबाई होल्कर जंयती के अवसर पर स्टंट के आरोपी युवक गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर, 1 जून (बु.)। रविवार को अहिल्याबाई होल्कर जंयती शहर के मुख्य मार्गो से होकर निकाली गयी थी। सोमवार को एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें कुछ युवक जयंती के दौरान बीच सड़क पर बाइकों से स्टंटबाजी व हवा में तलवारें लहरा रहे हैं। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लिया तो वीडियो नई मंडी कोतवाली क्षेत्र का पाया गया। नई मंडी कोतवाली पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेकर शुभम, अमरीश, मन्नू, अमरीश निवासीगण सरवट थाना सिविल लाइन व प्रवीण पाल निवासी सुभाषनगर को गिरफ्तार कर लिया। अन्य युवकों की पुलिस तलाश कर रही है। आरोपी युवकों की गिरफ्तारी के बाद कई नेता कोतवाली पहुंचे और युवकों को छुड़ाने की सिफारिश की, लेकिन पुलिस ने किसी की सिफारिश न मानते हुए 5 युवकों का चालान कर दिया है।

पाकिस्तानी गैंगस्टर्स-आईएसआई से जुड़ा आतंकी गिरफ्तार

लखनऊ, 1 जून (एजेंसी)। पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और आईएसआई के देश भर में सक्रिय स्लीपर सेल की धरपकड़ के तहत यूपी एटीएस ने आजमगढ़ से आतंकी मोहम्मद शेख को रविवार को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने उसे अदालत में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। उसके पास से एक नाइन एमएम की पिस्टल और कारतूस बरामद हुए हैं। वह शहजाद भट्टी के इशारे पर एक अन्य राज्य की महिला नेता को निशाना बनाने की फिराक में था। एडीजी कानून-व्यवस्था एवं एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि खुफिया सूचना मिली थी कि भारत में आतंक फैलाने के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों और गैंगस्टर्स के साथ मिलकर बड़ी घटनाएं अंजाम देने की फिराक में है। शहजाद भट्टी नामक पाकिस्तानी गैंगस्टर के आतंकी नेटवर्क का सहयोग लेकर भारतीय युवकों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिये जोड़ने के बाद पैसा का लालच देकर और उनकी धार्मिक भावनाओं को भड़काकर स्लीपर सेल के रूप में आतंकी गतिविधियां अंजाम देने के लिए उकसाता है। शहजाद भट्टी बड़ी संख्या में भारतीय युवकों को कट्टरपंथी बना है ताकि उनसे कोई बड़ी आतंकी घटना अंजाम दिलाकर देश की एकता, अखंडता व संप्रभुता पर खतरा पैदा किया जा सके।

सूर्या हत्याकांड पर योगी बोले- नालायक औलादों को समझा लो, दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी बर्दाश्त नहीं

गोहत्या पर भी चेताया- पीढ़ियां याद करेंगी, सामने खर-दूषण हैं तो शस्त्र उठाना होगा

बिजनौर, 1 जून (एजेंसी)। सीएम योगी ने गाजियाबाद में सूर्या हत्याकांड को लेकर कहा कि गाजियाबाद में दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी हुई। यह कतई बर्दाश्त नहीं है। अगर कोई अपनी नालायक औलाद को समझा नहीं पा रहा, तो समझ लो वह गलत कर रहा है।

अहिंसा और करुणा मानवता के भूषण हैं। लेकिन, सामने खर-दूषण हैं तो शस्त्र उठाना होगा। भगवान कृष्ण ने भी कहा था कि सज्जनों के लिए ही हम सज्जन बनें, दुर्जनों के लिए नहीं। सीएम बिजनौर में बोल रहे थे। उन्होंने गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की उठ रही मांगों पर कहा- मैं देख रहा था, कुछ लोग सोशल मीडिया पर गोमाता की फोटो लगाकर बकरीद की बधाई दे रहे थे। लेकिन, मैं उनसे बोलना चाहता हूं। यूपी में गोहत्या का मतलब समझते हो न क्या होगा? अगर जान रहे हो तो फिर अपने चेले-चपाटों को समझा लो। गोमाता के साथ किसी भी तरह की कोई हिमाकत की तो कई-कई पीढ़ियां याद करेंगी। सीएम ने कहा- कांग्रेस ने देश का विभाजन करवाया। ये लोग कहते थे कि बाहर से आए बौद्ध, सिख्ख लोगों को नागरिकता मत दो। इसके लिए इन लोगों ने बड़े-बड़े प्रदर्शन किए। सपा ने भी किए। इन लोगों ने पीएम के बनाए कानून का विरोध किया। अब कहते हैं कि गोमाता को राष्ट्रीय पशु घोषित करो। गाय हमारी माता है। उससे हमारे जन्म-जन्मान्तर का नाता है। क्या मां-बेटे के बीच कुछ घोषित करने की जरूरत पड़ती है? क्या किसी पुत्र को यह बताने की जरूरत पड़ती है कि तुम्हारी मां है, इसका सम्मान करो। ये हमारे संस्कार हैं। गाय को हमने माता माना है, पशु नहीं। पशु तो तुम्हारी बुद्धि है, जो तुम हमारी गोमाता को पशु बोलते हो। ये तुम्हारा दोगलापन है, जो गोकशी को बढ़ावा देते हो। गोमाता स्वयंसिद्ध राष्ट्रमाता है। जैसे हमारी माता के बारे में किसी को परिचय देने की जरूरत नहीं पड़ती। जैसे गंगा माता के बारे में किसी को परिचय देने की आवश्यकता नहीं। हम सब गंगा माता की आरती करते हैं। उनकी पूजा करते हैं। क्या कोई हमें बताएगा कि गंगा हमारी माता है? किसी आक्रांता को हमें कुछ भी बताने की जरूरत नहीं। हमने गाय को माता माना है, हमने गंगा को माता माना है। सीएम योगी ने कहा कि पाकिस्तान के पीड़ित हिंदुओं के लिए भी मौलाना अपनी आवाज क्यों नहीं उठाते? मैं एक बात पूछना चाहता हूं, ये पाकिस्तान से विस्थापित हुए पीड़ितों के लिए कभी ये मौलाना की आवाज क्यों नहीं निकली? ये दोगला चरित्र है। मुंह पर कुछ और पीछे कुछ और। आज से 6 महीने पहले जब बांग्लादेश में हिंदुओं का कत्लेआम हुआ था, तब एक भी मौलाना नहीं बोला। बांग्लादेश में पहले 22 फीसदी हिंदू थे, वो अब 7 फीसदी रह गए हैं। ये पाकिस्तान में 14 फीसदी हिंदू, अब 2 फीसदी रह गए हैं। ये मौलाना-मौलवी कभी भी पाकिस्तान-बांग्लादेश की निंदा नहीं करते। अरे, एक बार जुम्मे की नमाज में वही घोषणा कर देते कि पाकिस्तान घटिया स्तर पर काम कर रहा है। भारत का दुश्मन है, लेकिन कोई कुछ नहीं बोला। आपने देखा होगा बकरीद के मौके पर किस-किस प्रकार की हरकतें हो रही थीं। पहले तो हिंदू के त्योहार सपने जैसे हो गए थे। बेटी स्कूल नहीं जा पा रही थी। व्यापारी सुरक्षित नहीं था। पाकिस्तान में हिंदू, सिख, जैन भाइयों के साथ जो अन्याय हुआ था, उसका परिमार्जन करने के लिए, पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा मारने के लिए हम लोग आए हैं। अब फिर से अगर भारत के अंदर दुस्साहस करेंगे, तो लखनऊ से ही ब्रह्मोस मिसाइल बनाकर दागेंगे कि अस्तित्व ही खत्म हो जाएगा। आज बिजनौर में मेडिकल कॉलेज खुल गया है। यह सब इसलिए हो पाया, क्योंकि आपने कमल को वोट दिया। हाईवे बन रहे, रेलवे के नए-नए काम हो रहे हैं। यह विकास ही परिवर्तन लाएगा। बिजनौर से हजारों नौजवान पुलिस में भर्ती हुए। पहले बस चाचा-भतीजा होता था। लेकिन, अब कोई माई का लाल भर्ती नहीं रोक सकता। सीएम योगी बिजनौर के जलगढ़ क्षेत्र स्थित आलमपुर गावड़ी पहुंचे थे। उन्होंने पाकिस्तान से विस्थापित 1645 हिंदू परिवारों और 50 पूर्व सैनिकों को जमीन के पट्टे दिए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने अप्रैल में लखीमपुर खीरी में भी बांग्लादेश से विस्थापित 331 परिवारों को भूमिधरी अधिकार पत्र बांटे थे।

एनकाउंटर में ढेर असद के घर पर बुलडोजर चलेगा : संगीत सोम बोले- जिहादी भूल गए सरकार किसकी

गाजियाबाद, 1 जून (एजेंसी)। 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या के आरोपी असद के घर पर बुलडोजर चलेगा। सोमवार को प्रशासन की टीम असद के घर पहुंची। घर के गेट पर ताला लगा था। इसके बाद एसडीएम ने अवैध कब्जा करके घर बनाने का नोटिस दरवाजे पर चिपकाया।

इसमें कहा गया कि जिस जमीन पर मकान बना है, उस पर अवैध कब्जा किया गया है। असद के पिता नवाब को 15 दिनों के भीतर एसडीएम कार्यालय में अपना जवाब देना होगा। साथ ही अवैध कब्जा खुद हटाने के लिए भी कहा गया है। खोड़ा नगर पालिका के चेयरमैन पति और पूर्व सपा विधायक अमरपाल शर्मा ने कहा कि सूर्या के बड़े भाई को नौकरी दी जाएगी। अगर घर पर किसी तरह का टैक्स लगता होगा, तो वह माफ होगा। इसके अलावा किसी सड़क या चौराहे के नाम सूर्या के नाम पर रखा जाएगा। वहीं, झांसी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अगर हिंदू एक होगा तो कोई बाल भी बांका नहीं कर सकेगा। योगी की पुलिस ने ने जो किया, बहुत अच्छा किया। भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम ने सोमवार को सूर्या की मां से मुलाकात कर उन्हें एक लाख की मदद दी। सोम ने कहा- खोड़ा में एक-एक आदमी ने 50- 50 मकान खरीद रखे हैं। कहां से पैसा आया, इसकी जांच होगी। जिहादी भूल गए कि प्रदेश में किसकी सरकार है? जिहादियों का ठीक से फन दबा दिया जाएगा। अगर किसी ने पलायन कराने की कोशिश की, तो उसी का यहां से पलायन करा दिया जाएगा। बकरीद के दिन (28 मई) असद ने सूर्या की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। रविवार (31 मई) तड़के पुलिस ने असद को एनकाउंटर में मार गिराया था। पुलिस ने साजिश रचने के आरोप में असद के पिता नवाब समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पांचवां आरोपी अभी फरार है। हत्या के 5वें दिन भी खोड़ा में पुलिस फोर्स तैनात है। असद का शव रविवार रात पोस्टमॉर्टम के बाद सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। पुलिस ने बताया कि असद के चाचा की मौजूदगी में शव को दफनाया गया। हालांकि, पुलिस ने सिक्योरिटी कारणों से जगह और समय का खुलासा नहीं किया।

शिक्षा मंत्री बोलीं- अपने पहनावे पर ध्यान दें महिला शिक्षक, पता ही नहीं चलता कौन छात्र है और कौन शिक्षक

लखनऊ, 1 जून (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री गुलाब देवी ने कहा कि शिक्षकों के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी होती है। अभिभावक उन्हें अपना बच्चा सौंपते हैं। ऐसे में जरूरी है कि शिक्षक अपने व्यवहार और पोशाक पर भी ध्यान दें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि छात्र उनका सम्मान करें। शिक्षक खुद भी अनुशासित हों जिससे कि छात्र उनका अनुसरण कर सकें। महिला शिक्षक अपने पहनावे पर भी खास ध्यान दें क्योंकि अब कई बार तो पता ही नहीं चलता है कि कौन छात्र है और कौन शिक्षक? शिक्षकों को हमेशा ही अपने आचरण से विद्यार्थियों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए।

छात्रा के प्यार में बीवी पर जुल्म, दर्द न सह सकी सविता; छोड़ दी दुनिया

बल्लभगढ, 1 जून (एजेंसी)। हरियाणा के बल्लभगढ़ सेक्टर-7 क्षेत्र में 37 वर्षीय ट्यूशन शिक्षिका की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने ट्यूशन शिक्षक पति सहित छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतका की पहचान सविता तेवतिया के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार सविता की शादी करीब 18 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश के जेवर क्षेत्र के नगला गांव निवासी संदीप के साथ हुई थी। शादी के बाद दोनों फरीदाबाद के सेक्टर-7 में रहने लगे और घर पर बच्चों को कोचिंग पढ़ाने का काम करते थे। दंपती के दो बच्चे हैं और परिवार सामान्य रूप से जीवन व्यतीत कर रहा था। सेक्टर-7 क्षेत्र में एक पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मृतका के परिजनों का आरोप है कि कोचिंग पढ़ने आने वाली एक छात्रा के साथ संदीप के कथित अवैध संबंध बन गए थे। उनका कहना है कि जब यह संबंध शुरू हुआ तब छात्रा नाबालिग थी। समय के साथ दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती गईं, जिससे पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होने लगा। परिजनों का आरोप है कि युवती वर्तमान में एक निजी कंपनी में कार्यरत है, लेकिन उसके और संदीप के बीच संबंध लगातार बने हुए थे। परिजनों के मुताबिक उन्होंने कई बार इस संबंध को लेकर संदीप और उसके परिवार से शिकायत की थी, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। उनका आरोप है कि युवती सविता को धमकाती थी और संदीप के साथ रहने की बात कहती थी। इन परिस्थितियों के कारण सविता मानसिक तनाव में रहने लगी थी। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या की थी।

आईपीएल में सट्टा और ऑनलाइन क्रिप्टो करेंसी लगाने वाले आरोपियों का चालान

मुजफ्फरनगर, 1 जून (बु.)। लोगों को पैसा डबल करने का प्रलोभन देकर उनसे पैसा लेकर आईपीएल में सट्टा व ऑनलाइन क्रिप्टो करेंसी लगाने के दो आरोपियों को ककरौली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से फ्रॉड किए गए 6.13 लाख रुपये, 8 एटीएम व 3 मोबाइल बरामद किए हैं। तीनों आरोपियों का चालान कर दिया है। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि सोमवार को ककरौली थाना प्रभारी जोगिन्द्र सिंह अपनी पुलिस टीम के साथ चैकिंग कर रहे थे। बेहड़ा सादात चौराहे के पास स्कूटी सवार को रोका गया। स्कूटी का रजिस्ट्रेशन नम्बर चैक किया गया तो उसके स्वामी पर किसी अन्य व्यक्ति का नाम अंकित था। स्कूटी की डिग्गी की जांच की गयी तो उसमें से एक बैग बरामद हुआ। बरामद बैग से 6.13 लाख रुपए, 8 एटीएम बरामद किए गए हैं। उसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार तौफिक व ताजिम निवासीगण सलीमपुर कोटरा, थाना बढ़ापुर, जनपद बिजनौर से पूछताछ की गयी। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि एटीएम कार्ड उनके गांव के लोगों के है, जिनका पासवर्ड भी उन्हें ज्ञात है। आरोपी पैसा डबल करने का वादा कर उन पैसों को आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा व ऑनलाइन क्रिप्टो करेन्सी में लगाते हैं। रविवार को हुए आईपीएल के फाइनल मुकाबले में उनका काफी नुकसान हो गया था, जिस कारण वह पैसों को वापस नहीं करना चाहते थे। इसी कारण बिजनौर से भागकर अपनी रिश्तेदारी में जा रहे थे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों का चालान कर दिया है।

ईरान ने अमेरिका से सीज फायर वार्ता रोकी : होर्मुज स्ट्रेट फिर बंद करने की तैयारी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 1 जून (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका के साथ सीजफायर वार्ता फिलहाल रोक दी है। ईरानी न्यूज एजेंसी तस्नीम के मुताबिक, तेहरान ने कहा है कि जब तक लेबनान में इजराइली हमले नहीं रुकते, तब तक मध्यस्थों के जरिए अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान का कहना है कि लेबनान में शांति बनाए रखना सीजफायर की अहम शर्तों में शामिल था। लेकिन अब लेबनान समेत कई मोर्चों पर इस समझौते का उल्लंघन हो रहा है। ईरान ने गाजा और लेबनान में इजराइल की सैन्य कार्रवाई तुरंत रोकने और लेबनानी क्षेत्र से इजराइली सेना की पूरी वापसी की मांग की है। तेहरान का कहना है कि जब तक इन मुद्दों पर उसकी और उसके सहयोगियों मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक बातचीत दोबारा शुरू नहीं होगी। तस्नीम की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ईरान और उसके सहयोगी होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह बंद करने और अन्य मोर्चों को एक्टिव करने के ऑप्शन पर भी विचार कर रहे हैं। इनमें लाल सागर के दक्षिणी हिस्से में स्थित बाब अल-मंदेब स्ट्रेट भी शामिल है।

घंटों की देरी से चली रही कई महत्वपूर्ण रेलगाड़ियां, गर्मी में मुसीबत बना सफर

मुजफ्फरनगर, 1 जून (बु.)। मुजफ्फरनगर से होकर जाने वाली जालंधर एक्सप्रेस, अंबाला सिटी एक्सप्रेस, उत्कल एक्सप्रेस और दिल्ली-सहारनपुर पैसेंजर सभी महत्वपूर्ण गाड़ियां लेट चल रही है इससे गर्मी के मौसम में यात्रियों को काफी परेशानी हो रही हैं। अब जबकि ना तो कोहरा है और ना कोई अन्य कारण, रेलगाड़ियों की लेटलतीफी समा से बाहर है। विगत काफी समय से मुजफ्फरनगर से होकर चलने वाली तमाम रेलगाड़ियों की लेटलतीफी आम यात्रियों के अलावा दैनिक यात्रियों की मुसीबत बन गई है। सोमवार को भी तमाम प्रमुख रेलगाड़ियां काफी देरी से चलीं। अंबाला कैंट से दिल्ली जंक्शन को जाने वाली इंटर सिटी एक्सप्रेस तीन घंटा 47 मिनट की देरी से चली। पुरी और योगनगरी के बीच चलने वाली कलिंगा उत्कल एक्सप्रेस आज छह घंटा 41 मिनट की देरी से चली। जालंधर सिटी से दिल्ली जंक्शन के बीच चलने वाली जालंधर इंटरसिटी एक्सप्रेस एक घंटा 47 मिनट की देरी से यहां पहुंची। दिल्ली-सहारनपुर मेमू पौने दो घंटे की देरी से चली। छत्तीस गढ़ एक्सप्रेस 49 मिनट की देरी से यहां पहुंची। रेलगाड़ियों के लगातार विलंब से चलने के कारण यात्रियों को भीषण गर्मी में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। खास तौर से बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं इससे बेहद परेशान हैं। दैनिक यात्रियों के लिए भी यह लेट लतीफी मुसीबत बन चुकी है। दैनिक रेलयात्री संघ के अध्यक्ष घनश्याम भगत का कहना है कि कोहरे या असामान्य परिस्थितियों में रेलगाड़ियों के विलंब से चलने का कारण समा में आ सकता है, लेकिन आजकल जबकि ऐसी कोई विषम परिस्थिति नहीं है तो रेलगाड़ियों का इतनी देरी से चलना समा से बाहर है। एक ओर सरकार रेलगाड़ियों के संचालन और समय बद्धता को लेकर बड़े-बड़े दावे कर रही है और दूसरी ओर इन हालात में आम आदमी के लिए रेल का सफर बेहद मुसीबत भरा बना हुआ है। उन्होंने रेलमंत्री से इस पर ध्यान देने की अपील की।

नगर पालिका की ईओ प्रज्ञा सिंह का तबादला, पवन कुमार होंगे नए ईओ

मुजफ्फरनगर, 1 जून (बु.)। नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी प्रज्ञा सिंह का स्थानांतरण कर दिया गया है। उन्हें मुरादाबाद में सहायक नगर आयुक्त बनाकर भेजा गया है। उनके स्थान पर जौनपुर से संयुक्त नगर आयुक्त पवन कुमार को मुजफ्फरनगर पालिका का अधिशासी अधिकारी बनाकर भेजा गया है। शासन की ओर से आज उनके स्थानांतरण के आदेश जारी किए गए। प्रज्ञा सिंह का कार्यकाल यहां काफी खट्टे मीठे अनुभवों वाला रहा। इसके बावजूद उन्होंने अपनी कार्यशैली से नगर में विकास कार्यों को अंजाम देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

धूप-छांव के खेल के बीच रही राहत

आज फिर आंधी और बारिश के आसार

मुजफ्फरनगर, 1 जून (बु.)। दोपहर तक कभी धूप और कभी छांव के बीच बादलों की आसमान पर चहलकदमी के बीच आज भी मौसम थोड़ी गर्मी बढ़ने के बावजूद राहत भरा रहा। इसके चलते आज तापमान अधिकतम 32.7 और न्यूनतम 23.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने एक बार फिर से भारी बारिश और आंधी को लेकर ताजा अलर्ट जारी कर दिया है। कल 2 जून को दिल्ली, यूपी, बिहार समेत 17 राज्यों में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलेगी। हाल में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते बदले मौसम का रुख अभी नर्म बना हुआ है। पिछले दिनों हुई बारिश के चलते हवा में नमी बनी हुई है। इसके चलते तापमान में बहुत तेजी से इजाफा नहीं हुआ है। कल के मुकाबले आज गर्मी थोड़ा बढ़ी लेकिन मौसम असह्य नहीं था। सुबह से आसमान पर बादलों की आवाजाही के साथ ठंडी हवाएं सुकून देती रहीं। दोपहर में भी आसमान पर बादल तो थे, लेकिन हल्के बादलों की आवाजाही से धूप छांव का खेल चलता रहा। इसके चलते तापमान में मामूली इजाफा हुआ और अधिकतम तापमान कल के मुकाबले करीब दो डिग्री बढ़कर 32.7 और न्यूनतम 23.2 डिग्री पर रहा। धूप ढलने के बाद मौसम फिर थोड़ा राहत भरा रहा।

मौसम विभाग के मुताबिक 2 जून को यूपी, बिहार समेत 17 राज्यों के लिए बारिश-आंधी की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने की चेतावनी है। लोगों को इस दौरान बहुत अधिक सतर्क रहने की जरूरत है। वहीं, पहाड़ी राज्यों में लोगों की टेंशन बढ़ने वाली है। अगर ट्रिप की प्लानिंग कर रहे हैं तो एक बार आईएमडी का अपडेट जरूर पढ़ लीजिए नहीं तो बुरी तरह फंस सकते हैं। वहीं, पूर्वी राज्यों में आंधी के कहर से पेड़-पौधे जड़ से उखड़ सकते हैं। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक दिल्ली में 2 जून को भारी बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की चेतावनी है। वहीं, दिल्ली में कल यानी 2 जून को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तो न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। वेस्ट यूपी में 2 जून को सहारनपुर, बुलंदशहर, मुजफ्फरनगर, अलीगढ़, आगरा, मथुरा, मेरठ में भारी बारिश और आंधी की चेतावनी जारी की गई है। 2 से 5 जून के बीच आंशिक से लेकर घने बादल छाए रहेंगे और कई स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने चार जून को बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, इस दौरान गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने की संभावना भी जताई गई है, जिनकी गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है, जबकि कुछ समय पर झोंके 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकते हैं। वहीं, 6 और 7 जून को मौसम अपेक्षाकृत स्थिर रहेगा, जिसमें 6 जून को आंशिक बादल और 7 जून को मुख्य रूप से साफ आसमान रहने का अनुमान है।

गायिका सुमन कल्याणपुर का निधन : राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

मुंबई, 1 जून (एजेंसी)। गायिका सुमन कल्याणपुर का रविवार शाम को मुंबई में 89 की उम्र में निधन हो गया। रिपोर्ट्स में मौत की वजह उम्र से जुड़ी दिक्कतें बताई जा रही हैं। उनकी करीबी दोस्त मंगला खाडिलकर ने बताया कि सुमन ने रात करीब 8 बजे अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ दिनों से अपने ही गाए हुए गाने सुन रही थीं। उन्होंने बहुत शांति से दुनिया को अलविदा कहा। उनका अंतिम संस्कार आज पवनहंस श्मशान घाट में राजकीय सम्मान के साथ हुआ। सुमन की आवाज की तुलना अक्सर लता मंगेशकर की आवाज से होती थी। फिल्मफेयर की एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने 11 भाषाओं में 3000 से ज्यादा फिल्मी-नॉन फिल्मी गाने गाए। सोमवार दोपहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुमन सुल्तानपुर को श्रद्धांजलि देते हुए आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा- लोकप्रिय गायिका सुमन कल्याणपुर जी के निधन से अत्यंत दुख हुआ। उनकी मधुर आवाज और भावपूर्ण गायकी ने हमारे सांस्कृतिक जगत को समृद्ध बनाया। अपने गीतों के माध्यम से उन्होंने संगीत प्रेमियों और भारतीय सिनेमा के प्रशंसकों के दिलों में एक विशेष स्थान बनाया। उनके परिवारजनों और चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदनां हैं। ओम शांति। सुमन कल्याणपुर ने 1960 और 1970 के दशक में अपनी सुरीली आवाज से संगीत जगत में एक खास पहचान बनाई थी। उस दौर में लता मंगेशकर जैसी महान गायिका के रहते हुए भी उन्होंने अपनी अलग जगह बनाई।

मई में घट गया जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली, 1 जून (एजेंसी)। मई के जीएसटी संग्रह का उत्साहजनक प्रदर्शन नहीं रहा। इस साल मई में जीएसटी का कुल संग्रह 1,94,184 करोड़ रहा। अप्रैल माह में जीएसटी 2.43 लाख करोड़ का संग्रह हुआ था। जीएसटी संग्रह पूरी तरह से वस्तुओं की बिक्री पर निर्भर करता है जो यह दर्शाता है कि वस्तुओं की बिक्री मई माह में अप्रैल की तुलना

में प्रभावित हुई है। हालांकि वित्त मंत्रालय का दावा है कि पिछले साल सितंबर माह में जिन वस्तुओं की जीएसटी दरों में कटौती की गई, उनकी बिक्री में दहाई अंक में इजाफा हुआ है। इस साल मई में जीएसटी संग्रह में घरेलू बिक्री से मिलने वाला जीएसटी आयात से मिलने वाले जीएसटी से कम रहा। 1.94 लाख करोड़ के जीएसटी में सीजीएसटी 37,397 करोड़, एसजीएसटी 45,143 करोड़ तो आईजीएसटी 1,11,644 करोड़ रहा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मई में रिफंड के बाद जीएसटी का शुद्ध संग्रह 1,66,904 करोड़ का रहा जो पिछले साल मई के शुद्ध संग्रह की तुलना में 3.3 प्रतिशत अधिक है।

योगी के साथ बिजनौर से हेलीकॉप्टर से शाकंभरी पहुंचे कपिलदेव

मुजफ्फरनगर, 1 जून (बु.)। प्रदेश के राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल आज बिजनौर और सहारनपुर में शाकंभरी देवी के दौरे के समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ रहे। मुख्यमंत्री आज पहले बिजनौर पहुंचे थे। प्रभारी मंत्री के रूप में कपिलदेव अग्रवाल ने वहां उनकी अगवानी की। वहां जनसभा के बाद राज्यमंत्री हेली कॉप्टर से शाकंभरी देवी पहुंचे और वहां समीक्षा बैठक में भी वे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ मौजूद रहे।

बांके बिहारी मंदिर में इस कदर उमड़ी भीड़, जाम हो गई वृंदावन की गलियां; श्रद्धालुओं की बिगड़ी हालत

मथुरा, 1 जून (एजेंसी)। वृंदावन में अधिकमास की पूर्णिमा पर ठाकुर श्रीबांकेबिहारी मंदिर सहित वृंदावन में आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा कि समूची व्यवस्थाएं बिखर गईं। भीड़ में एक महिला व युवक बेहोश हो गए। वहीं अनेक श्रद्धालु बिना दर्शन किए ही लौट गए। हर तीन वर्ष में आने वाले पुरुषोत्तम मास में दर्शन, पूजन और दान-पुण्य का महत्व है। रविवार की छुट्टी और स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश होने के चलते सुबह से ही मंदिर की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर पैर रखने तक की जगह नहीं बची। आस्था का आलम यह था कि भक्त अपने आराध्य की झलक पाने के लिए भीषण गर्मी के बीच एक किलोमीटर से भी अधिक लंबी कतारों में घंटों इंतजार करते नजर आए। भीड़ के कारण मंदिर को जोड़ने वाली सभी संकरी गलियां और मुख्य रास्ते पूरी तरह चोक नजर आए। गेट संख्या 5 पर हालात इस कदर हो गए कि दूर तक की गलियों में केवल लोगों के सिर दिखाई दे रहे थे। भीड़ के भारी दबाव के चलते कई श्रद्धालुओं, विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों की चीखें निकल गईं। त्रस्त होकर हजारों श्रद्धालु बिना दर्शन किए ही लौट गए। मंदिर परिसर में बने रेलिंग चक्र के भीतर भीड़ के अत्यधिक दबाव और उमस के कारण एक महिला श्रद्धालु बेहोश होकर गिर पड़ी। महिला के अचेत होते ही परिसर में खलबली मच गई। इस दौरान महिला को उठाने या त्वरित प्राथमिक चिकित्सा देने के लिए मौके पर कोई स्वास्थ्यकर्मी या प्रशासनिक अधिकारी उपलब्ध नहीं था।